Support Material

SA-II

SOCIAL SCIENCE
CLASS - X
(Hindi Medium)

विषय सूची
कक्षा - दसवीं

खंड - 1

इतिहास

1. यूरोप में राष्ट्रवाद
2. इंडो-चाइना में राष्ट्रवादी आंदोलन
3. भारत में राष्ट्रवाद

भूगोल

1. खनिज तथा ऊर्जा संसाधन
2. विनिर्माण उद्योग
3. राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

लोकतंत्र एवं राजनीति

1. जनसंघर्ष और आंदोलन
2. राजनीतिक दल
3. लोकतंत्र के परिणाम
4. लोकतंत्र की चुनौतियाँ

अर्थशास्त्र

1. मुद्रा और साख
2. वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था
3. उपभोक्ता अधिकार

QUESTION PAPER DESIGN FOR SOCIAL SCIENCE (CODE NO. 087)
Class-X (SA-II) (2016-17)

Time: 3 Hours

Max. Marks: 90

S. No.	Typology of Questions	Very Short Answer (VSA) 1 Mark	Short Answer (SA) 3 Marks	Long Answer (LA) (5 Marks)	Total Marks	% Weightage
1	**Remembering** (Knowledge based simple recall questions, to know specific facts, terms, concepts, principles, or theories, identify, define or recite, information)	2	2	2	18	20%
2	**Understanding** (Comprehension - to be familiar with meaning and to understand conceptually, interpret, compare, contrast, explain, paraphrase, or interpret information)	2	1	2	15	17%
3	**Application** (Use abstract information in concrete situation, to apply knowlecge to new situations, use given concent to interpret a situation, provide an example, or solve a problem)	2	4	2	24	26%
4	**High Order Thinking Skills** (Analysis & Synthesis - Classify, compare, contrast, or differentiate between different pieces of information, Organize and/or integrate unique pieces of information from a variety of sources)	2	2	2	18	20%
5	**Creating, Evaluation and Multi-Creating Evaluation and Multi-Disciplinary** (Generating new ideas, product or ways of viewing things Appraise, judge, and/or justify the value or worth of a decision or outcome, or to predict outcomes based on values)		3*	-	9	10%
6	Map		2	-	6	7%
	Total	8x1=8	14x3=42	8x5=40	90	100%

*One question of 3 marks will be included to assess the values inherent in the texts.

इतिहास कक्षा 10वीं

अध्याय - 1

यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

-- **वंदना गौतम,**

सर्वोदय.क.वि. साकेत

महत्वपूर्ण घटनायें / तथ्य :-

1. 18वीं सदी में कोई देश जैसे जर्मनी, इटली तथा स्विटजरलैंड आदि उस रूप में नहीं थे जैसा कि आज हम इन्हें देखते हैं। ये छोटे-छोटे राज्यों में विभाजित थे जिनका अपना एक स्वतंत्र शासक था।
2. **1789 की फ्रांसीसी क्रांति** - 1789 की फ्रांसीसी क्रांति राष्ट्रवाद की पहली स्पष्ट अभिव्यक्ति थी। इसने फ्रांस में राजतंत्र समाप्त कर प्रभुसत्ता फ्रांसीसी नागरिकों को सौंपी। इस क्रांति से पहले फ्रांस एक ऐसा राज्य था जिसके संपूर्ण भू-भाग पर एक निरंकुश राजा का शासन था।
3. **1804 की नेपोलियन संहिता** - इसे 1804 में लागू किया गया। इसने जन्म पर आधारित विशेषाधिकारों को समाप्त कर दिया। इसने न केवल न्याय के समक्ष समानता स्थापित की बल्कि सम्पत्ति के अधिकार को भी सुरक्षित किया।
4. क्रान्तिकारी फ्रांस उदारवादी प्रजातंत्र का पहला राजनैतिक प्रयोग था। वहाँ वोट देने और चुने जाने का अधिकार केवल उन्हीं पुरूषों को था जिनके पास सम्पत्ति थी। सम्पत्ति विहीन पुरूषों और सभी औरतों को राजनैतिक अधिकारों से वंचित रखा गया। केवल थोड़े ही समय के लिए जैकोबिन शासक के समय सभी व्यस्क पुरूषों को मताधिकार प्राप्त था मगर नेपोलियन की संहिता पुनः सीमित मताधिकार वापिस लाई और उसमें महिलाओं को अवयस्क दर्जा देते हुए उन्हें पिताओं और पतियों के अधीन कर दिया।

5. **वियना कांग्रेस** – 1815 में ब्रिटेन, प्रशा, रूस और ऑस्ट्रिया जैसी यूरोपीय शक्तियों (जिन्होंने मिलकर नेपोलियन को हराया था) के प्रतिनिधि यूरोप के लिए एक समझौता तैयार करने के लिए वियना में इकट्ठा हुए जिसकी अध्यक्षता आस्ट्रिया के चांसलर ड्यूक मैटरनिख ने की।

6. वर्साय में हुए एक समारोह में प्रशा के राजा विलियम प्रथम को जनवरी 1871 में जर्मनी का सम्राट घोषित कर दिया।

7. 1861 में इमेनुएल द्वितीय को एकीकृत इटली का राजा घोषित किया गया।

8. **राष्ट्रवादी संघर्षों में महिलाओं की भुमिका** :– राष्ट्रवादी आंदोलन में सभी यूरोपीय राज्यों जैसे फ्रांस, इटली की औरतों ने सक्रिय योगदान दिया। महिलाओं ने अपने समाचार पत्र शुरू किए, अनेक स्वतन्त्र राजनैतिक संगठन बनाये और प्रदर्शनों में भाग लिया। इतना होने पर भी उन्हें असेम्बली के चुनावों में मतदान का अधिकार नहीं था।

2. **महत्वपूर्ण शब्दावली** :–

1. **कुलीन वर्ग** – ये जमीन के मालिक व यूरोपीय महाद्वीप का सबसे शक्तिशाली वर्ग था।

2. **निरंकुशवाद** – एक ऐसी सरकार या शासन व्यवस्था जिसकी सत्ता पर किसी प्रकार को कोई अंकुश नहीं होता।

3. **उदारवाद** – यानि Liberalism शब्द लातिनी भाषा के मूल शब्द liber पर आधारित है। जिसका अर्थ है स्वतंत्रता। नए मध्यम वर्ग के लिए उदारवाद का अभिप्राय था व्यक्ति के लिए आज़ादी व कानून के समक्ष समानता।

4. **जनमत संग्रह** – एक प्रत्यक्ष मतदान जिसके द्वारा एक क्षेत्र की सारी

जनता से किसी प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार करने के लिए पूछा जाता है।

5. **रूढ़िवाद** – एक ऐसा राजनीतिक दर्शन जो परंपरा स्थापित संस्थानों, पौराणिक परंपराओं और रिवाजों पर बल देता है।

6. **यूटोपिया (कल्पनादर्श)** – एक ऐसे समाज की कल्पना जो इतना आदर्श है कि उसका साकार होना लगभग असंभव होता है।

7. **रूमानीवाद** – एक ऐसा सांस्कृतिक आंदोलन जो एक खास तरह की राष्ट्रीय भावना का विकास करना चाहता था।

8. **नारीवाद** – स्त्री पुरूष को सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक समानता की सोच के आधार पर महिलाओं के अधिकारों और हितो का बोध नारीवादी है।

9. **जुंकर्स** – प्रशा की एक सामाजिक श्रेणी का नाम जिसमें बड़े-बड़े ज़मींदार शामिल थे।

10. **जॉलवेराइन** – यह एक जर्मन शुल्क संघ था जिसमें अधिकांश जर्मन राज्य शामिल थे। यह संघ 1834 में प्रशा की पहल पर स्थापित हुआ था। इसमें विभिन्न राज्यों के बीच शुल्क अवरोधों को समाप्त कर दिया गया और मुद्राओं की संख्या दो कर दी जो पहले बीस से भी अधिक थीं यह संघ जर्मनी के आर्थिक एकीकरण का प्रतीक था।

महत्वपूर्ण Personalities

1. **ज्यूसेपे मेत्सिनी** – इटली का एक महान क्रांतिकारी जिसने ''यंग इटली'' नामक आंदोलन चलाया जिसके फलस्वरूप इटली में एकीकरण की भावना को बल मिला। वह राजतन्त्र के घोर विरोधी थे।

2. **गैरीबाल्डी** – इटली का महान क्रांतिकारी जो मेत्सिनी का सहयोगी व समकालीन था। उसने लाल कुर्ती नामक सेना तैयार की जिसकी

सहायता से उसने ऑस्ट्रिया को हराया। उसने इटली की स्वतंत्रता के लिए कई आंदोलन किए।

3. **कावूर** – कावूर को इटली का बिस्मार्क माना जाता है। वह इटली के सार्डीनिया राज्य का प्रधानमंत्री था। उसने सर्वप्रथम अपने राज्य को इटली में मिलाने का कार्य किया।

4. **बिस्मार्क** – जर्मनी के इतिहास में अद्‌वितीय स्थान प्राप्त है। उसने जर्मनी के एकीकरण के लिए 'रक्त तथा लौह की नीति अपनाई। उसके प्रयासों से ही जर्मनी का एकीकरण संभव हुआ।

1 अंक वाले प्रश्न

1. फ्रेडरिक सॉरयू कौन था?
2. अन्स्ट रेनन कौन था?
3. जर्मन राष्ट्र का रूपक क्या था? वह किस बात का प्रतीक था?
4. मांटेस्क्यू ने किस सिद्धांत का प्रतिपादन किया?
5. कौन सी विश्वविख्यात घटना को राष्ट्रवाद की पहली स्पष्ट अभिव्यक्ति माना जाता है?
6. जॉलवेराइन क्या था व किस प्रकार वह जर्मनी के आर्थिक एकीकरण का प्रतीक था?
7. मेत्सिनी द्वारा स्थापित दो भूमिगत संगठनों के नाम लिखिए।
8. 19वीं सदी में ऐसी कौन सी ताकत उभरी जिसने यूरोप की राजनैतिक और भौतिक दुनिया में भारी परिवर्तन किये?
9. बाल्कन क्षेत्र के निवासियों को क्या कहा जाता था?

10. वियना कांग्रेस किस वर्ष आयोजित की गई ?
11. 1815 की वियना सन्धि से किसका सम्बन्ध है ?
12. नैपोलियन युद्धों के दौरान हुये बदलावों को खत्म करना किस सन्धि का उद्देश्य था ?
13. किसने कहा था कि जब फ्रांस छींकता है तो बाकी यूरोप को सर्दी जुकाम हो जाता है ?
14. किस संधि ने यूनान को एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दी ?
15. आयरलैंड में प्रोटेस्टेन्ट के विरूद्ध आंदोलन का नेतृत्व किसने किया ?
16. आंखो पर पट्टी बांधे हुए और तराजू लिये हुए महिला किस बात का प्रतीक है ?

लघु/ दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक वाले)

1. फ्रांसीसी क्रान्तिकारियों ने फ्रांसीसी लोगों में सामूहिक पहचान की भावना किस प्रकार पैदा की ?
2. नेपोलियन ने प्रशासनिक क्षेत्र में क्रांतिकारी सिद्धांतो का समावेश किया जिसने पूरी व्यवस्था को अधिक कुशल व तर्कसंगत बना दिया। समीक्षा कीजिए ?
3. यूरोप के ''राष्ट्र'' के विचार के निर्माण में संस्कृति ने किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ?
4. जर्मनी के एकीकरण की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए ?
5. इटली के एकीकरण की प्रक्रिया का वर्णन करें। इसके मार्ग में आने वाली मुख्य बाधाऐं क्या थीं ?
6. ब्रिटेन में राष्ट्र राज्य का निर्माण एक लंबी प्रक्रिया का परिणाम किस प्रकार था ?
7. यूरोप में राष्ट्रवाद के उत्थान के लिए कौन से कारण उत्तरदायी थे ?
8. फ्रांसीसी क्रांति का न केवल फ्रांस पर अपितु पूरे विश्व पर गहरा

प्रभाव पड़ा। समीक्षा कीजिए ?

9. 1804 की नागरिक संहिता के प्रावधानों का उल्लेख कीजिए ?
10. यूरोप के कुलीन वर्ग की विशेषताऐं लिखिए ?
11. 1815 की वियना संधि के उद्देश्य बताइए। इसके प्रमुख प्रस्ताव व व्यवस्थाओं का वर्णन कीजिए।
12. यूरोप में उदारवादियों द्वारा समर्थित राजनैतिक, सामाजिक और आर्थिक आदर्श क्या थे ?
13. औद्योगिकरण की वृद्धि ने किस प्रकार यूरोप के सामाजिक और राजनैतिक समीकरण बदल दिए ?
14. यूरोप के राष्ट्रवादी संघर्षों में महिलाओं की भूमिका क्या थी ?
15. 19वीं सदी में यूरोप में राष्ट्रवाद की लहर के कारण क्या थे ?
16. 1815-1914 के दौरान अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक विनिमय केन्द्रों के तीन प्रवाहों को विस्तार से लिखिए ?

उत्तर माला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. फ्रांसीसी चित्रकार
2. फ्रांसीसी दार्शनिक
3. जर्मेनिया। जर्मन बलूत वीरता का प्रतीक है।
4. शक्ति पृथक्करण का सिद्धांत या अधिकार विभाजन
5. फ्रांसीसी क्रांति
6. एक जर्मन शुल्क संघ। अधिकांश जर्मन राज्य शामिल थे। 1834 में स्थापित इस संघ ने विभिन्न जर्मन राज्यों के बीच शुल्क अवरोधो को समाप्त किया व मुद्राओं की संख्या तीस से दो कर दी। इस प्रकार यह आर्थिक एकीकरण का प्रतीक था।

7. 1) यंग इटली 2) यंग यूरोप

8. राष्ट्र राज्य का उदय

9. स्लाव

10. 1815

11. ड्यूक मैटरनिख

12. वियना संधि

13. मैटरनिख

14. कांस्टेन्टीनोपल संधि

15. वोल्फटोन

16. न्याय

लघु/दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर (3/5 अंक वाले)

1. ★ पितृभक्ति और नागरिकता के विचार
   ★ नए राष्ट्रीय चिन्ह
   ★ केन्द्रीकृत प्रशासनिक व्यवस्था
   ★ राष्ट्रीय भाषा
   ★ एक समान भार व मान की व्यवस्था।

2. नेपोलियन की संहिता
   -- ग्रामीण प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार
   -- शहरी क्षेत्र में सुधार
   -- व्यापार में सुधार

3. 1) कला, काव्य, कहानियों, संगीत ने राष्ट्रवादी भावनाओं को विकसित किया
   2) लोकगीत, जन-काव्य व लोक नृत्य
   3) स्थानीय बोलियों व लोक साहित्य पर बल
   4) भाषा

4. ★ आरंभ विलियम प्रथम के प्रशा के सिंहासन पर आसीन होना।

* बिस्मार्क द्वारा जर्मन एकीकरण की भूमिका तैयार करना।
* वियना कांग्रेस
* फ्रैंकफर्ट पार्लियामैंट
* एकीकरण में बाधाएँ
* बिस्मार्क द्वारा ऑस्ट्रिया, फ्रांस आदि पराजित, विश्व शक्तियों को तटस्थ किया व एकीकृत जर्मनी का एक राष्ट्र के रूप में उभरना।

5. एकीकरण की प्रक्रिया :-

1832 - कावूर सार्डीनिया का प्रधानमंत्री बना। फ्रांस से संधि, आस्ट्रिया पराजित व 1859 में लुंबार्डी को राज्य में मिला लिया।

द्वीतीय चरण - मोडेना, टस्कनी, पार्मा आदि का जनमत संग्रह द्वारा सार्डीनिया में विलय।

तृतीय चरण - 1860 में गैरीबाल्डी द्वारा सिसली व नेपल्स पर विजय।

चतुर्थ चरण - वेनेशिया व रोम पर अधिकार।

1871 में पोप से समझौता व एकीकृत इटली का उदय।

एकीकरण में बाधाएँ :-

1) राजनीतिक विखंडन का लंबा इतिहास
2) विदेशी शक्तियों का आधिपत्य
3) पोप का शासन
4) वियना कांग्रेस
5) अनुदारवादी शासक।

6. यह किसी उथल-पुथल या क्रांति का नहीं, एक लंबी चलने वाली प्रक्रिया का नतीजा था।

-- पहले नृजातीय पहचान। राष्ट्र की अहमियत व सत्ता में वृद्धि।

-- 1688 में राजतंत्र से संसद द्वारा ताकत छीने जाना

-- 1707 में यूनाइटेड किंगडम ऑफ ब्रिटेन का गठन।

-- स्कॉटलैंड पर प्रभुत्व। आयरलैंड को 1801 में बलपूर्वक यूनाईटेड किंगडम में शामिल किया गया।

-- नए ब्रिटिश राष्ट्र का निर्माण। आंग्ल संस्कृति का दबदबा।

-- राष्ट्र के प्रतीक - झंडा व राष्ट्रगान को बढ़ावा। पुराने राष्ट्र मात्र सहयोगी रूप में।

7. **यूरोप पर प्रभाव** - 1) राष्ट्र-राज्यों का उदय 2) लोकतंत्रीय सिद्धांत को बढ़ावा 3) सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक समानता पर बल 4) अन्य राष्ट्रो में मानवीय अधिकारों की मांग 5) निरंकुश राजतंत्रों में क्रांतिकारी प्रतिक्रियाएँ।

8. **फ्रांस पर प्रभाव** - 1) लोकतांत्रिक शासन की स्थापना 2) लोक कल्याणकारी कार्य 3) समानता, स्वतंत्रता, भ्रातृत्व से भरे नए समाज की नींव 4) नवीन कानून संहिता लागू 5) नेशनल असेंबली का गठन 6) आर्थिक एकीकरण 7) कानून के समक्ष बराबरी, 8) संपत्ति का अधिकार सुरक्षित।

1) मध्यम वर्ग का उदय 2) उदारवादी विचारधारा का प्रारंभ 3) यूनान का स्वतंत्रता संग्राम 4) संस्कृति व भाषा की भूमिका 5) जन विद्रोह

9. ★ जन्म पर आधारित सुविधाओं की समाप्ति।

★ सम्पत्ति के अधिकार की बहाली

★ ज़मींदारी व सामंती व्यवस्था की समाप्ति।

★ यातायात तथा संचार व्यवस्था में सुधार।

★ मानक नाप-तौल के पैमाने चलाए गए।

★ एक राष्ट्र मुद्रा चलाई गई।

10. -- जीवन जीने की समान शैली

-- भू-स्वामित्व

-- कूटनीतिक भाषा

-- आपस में वैवाहिक संबंध

-- उच्च वर्गों के बीच फ्रेंच भाषा का प्रयोग

11. 1) उत्तर नीदरलैंड में साम्राज्य की स्थापना

2) दक्षिण में जेनेवा को पिडमाण्ट के साथ मिला दिया गया।

3) प्रशा को पश्चिम में नए क्षेत्र दिए गए।

4) पूर्व में रूस को पोलैंण्ड का हिस्सा दे दिया गया।

5) ऑस्ट्रिया को उत्तरी इटली का नियंत्रण सौंपा गया।

12. ★ कानून के समक्ष समानता

★ व्यस्क मताधिकार के पक्ष में नहीं

★ बाज़ार की स्वतंत्रता तथा राज्य द्वारा वस्तुओं एवं पूंजी के प्रवाह पर लगे प्रतिबन्ध को समाप्त करने के पक्षधर।

13. 1) पश्चिमी और मध्य यूरोप के हिस्सों में औद्योगिक उत्पादन और व्यापार में वृद्धि। शहरों का विकास और वाणिज्यिक वर्गों का उदय।

2) श्रमिक व मध्य वर्ग का उदय।

3) कुलीन विशेषाधिकार की समाप्ति के विचारों की लोकप्रियता।

14. -- स्वयं के राजनैतिक संगठन बनाना।

-- समाचार पत्रों का प्रकाशन

-- मताधिकार प्राप्त नहीं। प्राप्ति हेतु संघर्ष

-- राजनैतिक बैठकों तथा प्रदर्शनों में हिस्सा लेना।

15. 1) जनता पर अत्याचार
2) निरंकुश शासन व्यवस्था
3) उदारवादी विचारों का प्रसार
4) स्वतंत्रता, समानता तथा बंधुत्व का नारा।
5) शिक्षित मध्य वर्ग की भूमिका।

16. 1) वस्तुओं का प्रवाह
2) पूँजी का प्रवाह
3) लोगों का प्रवाह।

इतिहास कक्षा 10वीं

अध्याय – 2

इंडो चाइना में राष्ट्रवादी आंदोलन

महत्वपूर्ण घटनायें / तथ्य :–

1. इंडो चाइना तीन देशों से मिलकर बना है – वियतनाम, कंबोडिया और लाओस।
2. 1858 में फ्रांस ने पहली बार वियतनाम में प्रवेश किया। धीरे-धीरे उसने पूरे नियतनाम पर कब्जा कर लिया।
3. 1887 ई0 ने फ्रेंच इंडो चाइना का गठन किया गया।
4. फ्रांसीसी शिक्षा देकर अपनी सभ्यता के रंग में रंगना चाहते थे।
5. 1907 में टोंकिन फ्री स्कूल खोला गया। विज्ञान, स्वच्छता व फ्रांसीसी भाषा की कथाएँ शामिल थी।
6. 1926 में साइगॉन नेटिव गर्ल्स स्कूल में आंदोलन। विवाद का कारण कतार में बैठने के लिए कहना।
7. 1903 हनोई में ब्यूबॉनिक प्लेग की महामारी फैल गई। चूहों को पकड़ने की मुहिम शुरू हो गई।
8. होआ – हाओ आंदोलन (1939)– इस आंदोलन के संस्थापक हुइन्ह फू सो थे। वह जादू टोना करते व गरीबों की मदद करते थे। फ्रांसीसी सरकार ने इन्हें पागल घोषित कर दिया। उन्हें पागल कहकर बुलाया जाता था।
9. 1854 ई0 – फ्रांसीसियों की पराजय के बाद जिनेवा में चली शांति वार्ता में वियतनामियों को देश का विभाजन मानने को बाध्य कर दिया गया। उत्तर और दक्षिणी वियतनाम दो अलग-अलग राज्य बन गए।
10. 1974 – में पेरिस में एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। अमेरिका के साथ टकराव की समाप्ति।

11. 1975 ई0 में एन.एल.एफ द्वारा राष्ट्रपति महल पर कब्जा व वियतनाम के दोनों राष्ट्रों को मिलाकर एक राष्ट्र की स्थापना कर दी गई।

महत्वपूर्ण शब्दावली :–

1. **औपनिवेशिक व्यवस्था** – वह व्यवस्था जिसमें कोई देश किसी दूसरे देश पर कब्जा करके उसका आर्थिक और राजनीतिक शोषण करे, औपनिवेशिक व्यवस्था कहलाती है।
2. **समन्वयवाद** – एक ऐसा विश्वास जिसमें विभिन्नताओं की बजाय समानता पर ध्यान देते हुए अलग-अलग मान्यताओं और आचारों को एक दूसरे के साथ लाने का प्रयास किया जाता है।
3. **यातना शिविर** – एक प्रकार की जेल जिसमें कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना ही लोगों को कैद में डाल दिया जाता है व उन्हें कठोर यातनाऐं दी जाती हैं।
4. **गणतंत्र** – आम जनता की सहमति और जन-प्रतिनिधित्व पर आधारित शासन व्यवस्था।
5. **साम्यवाद** – एक राजनैतिक आंदोलन जो एक ऐसी आर्थिक व्यवस्था पर विश्वास करता है जिसमें राज्य जनता की ओर से सभी उत्पादन साधनों पर नियंत्रण रखता है। इसका उद्देश्य समाज में सभी को समान अधिकार देना है।
6. **नापाम** – अमेरिका में विकसित किया गया एक ऐसा ऑर्गेनिक रसायन जो धीरे-धीरे जलता है और मानव त्वचा जैसी किसी भी सतह के संपर्क में आने पर उससे चिपक जाता है व जलता रहता है।
7. **स्कॉलर्स रिवोल्ट** – एक आंदोलन जो 1868 में फ्रांसीसी कब्जे और ईसाई धर्म के प्रसार के खिलाफ प्रारंभ हुआ था। इस आंदोलन की बागडोर शाही दरबार के अफसरों के हाथों में थी।

महत्वपूर्ण Personalities

1. **फान चू त्रिन्ह** – वियतनाम के एक राष्ट्रवादी नेता थे जो राजतंत्र के कट्टर विरोधी थे। वे फ्रांसीसीयों को देश से निकालने के लिए शाही दरबार अथवा राजा की सहायता लेने के पक्ष में नहीं थे।
2. **हुइन–फू सो**– वे होआ–होआ आंदोलन के संस्थापक थे जो 1939 में वियतनाम में प्रारंभ हुआ। वह गरीबों की सहायता करते व जादू टोना करते।
3. **फान बोई चाऊ**– वियतनाम के महत्वपूर्ण राष्ट्रवादी। 1903 में उन्होंने रिवोल्यूशनरी सोसाइटी (दुई वान होई) नामक एक पार्टी का गठन किया।
4. **कन्फ्यूशियस** – ये एक चीनी विचारक थे, उन्होंने सदाचार, व्यवहार बुद्धि और उचित सामाजिक संबंधो को आधार बनाते हुए एक दार्शनिक व्यवस्था विकसित की।

1 अंक वाले प्रश्न

1. इंडो चाइना में कौन से देश सम्मिलित हैं ?
2. संरचनागत परियोजनाऐं क्या होती हैं ?
3. 1930 की महामंदी का वियतनाम पर क्या प्रभाव पड़ा ?
4. वियतनाम की लपलपाती चिंगारी किसे कहा जाता था और क्यों ?
5. एजेंट ऑरेंज क्या है ? अमेरिकी सेनाओ ने वियतनाम पर इसका छिड़काव क्यों किया ?
6. उपनिवेशों को क्यों स्थापित किया गया ?

7. सन यात सेन कौन था?
8. कन्फयूशियस कौन था?
9. 1903 में हनोई के नवनिर्मित आधुनिक भाग में कौन सी महामारी फैली थी?
10. एकतरफा अनुबंध व्यवस्था से क्या तात्पर्य है?

3/5 अंक वाले प्रश्न –

1. वियतनाम पर फ्रांसीसियों के कब्जे के बाद टकराव क्यों होने लगा? कारण लिखो।
2. वियतनाम की सम्पदा का शोषण करने के उद्देश्य को पूरा करने के लिए फ्रांसीसियों द्वारा उठाए गए कदमों की व्याख्या करो।
3. फ्रांसीसियों ने वियतनाम में संरचनात्मक परियोजनाओं का निर्माण क्यों और कैसे किया?
4. वियतनाम के बँटवारे से पूरा देश युद्ध के मोर्चे में तब्दील होकर रह गया। इस कथन की पुष्टि कीजिए।
5. उन संरचनात्मक परियोजनाओं का वर्णन कीजिए, जिन्हें फ्रांसीसी उपनिवेशकों ने वियतनाम में विकसित किया।
6. उपनिवेशों का विकास करना क्यों जरूरी है? कारण लिखो।
7. फ्रांसीसियों की शिक्षा नीति का वर्णन करें। वियतनाम में टोंकिन फ्री स्कूल खोलने के उद्देश्य की व्याख्या कीजिए।
8. चीन में शुरू हुए पूर्व की ओर चलो आन्दोलन की क्या विशेषताएँ थीं?
9. स्वतंत्रता के लिए वियतनाम के संघर्ष में महिलाओं की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।
10. हो चि मिन्ह मार्ग की चार विशेषताओं का वर्णन करो।

11. फ्रांसीसियों द्वारा प्लेग की समस्या को हल करने के लिए कौन से कदम उठाए गए ?

उत्तर माला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :–

1. वियतनाम, लाओस, कम्बोडिया
2. ऐसी विशाल परियोजनाएँ जिनसे अर्थव्यवस्था का ढाँचा तैयार होता है।
3. वियतनाम पर प्रभाव –
   1) रबड़ और चावल के दाम गिर गए।
   2) किसानों पर कर्जा बढ़ने लगा।
   3) बेरोजगारी में तेजी से वृद्धि।
4. न्हो अल और हा तिन्ह प्रांतो को रैडिकल आंदोलन की चली आ रही एक लंबी परंपरा के कारण लपलपाती चिंगारी कहा जाता था।
5. एक ऐसा जहर जिसके छिड़काव से पेड़ों की पत्तियाँ झड़ जाती हैं, पौधे मर जाते हैं। जिन ड्रमों में इसे रखा जाता था उन पर ऑरेंज रंग की पट्टियाँ बनी होती थीं। इस जहर का छिड़काव इसलिए किया गया क्योंकि वे वियतनाम के जंगलों को नष्ट कर देना चाहते थे।
6. साम्राज्यवादी देश की भलाई के लिए।
7. चीन के महान नेता थे।
8. चीनी दार्शनिक
9. ब्यूबॉनिक प्लेग
10. ऐसा अनुबंध जिसके तहत मज़दूरों को कोई अधिकार नहीं दिए जाते थे। शर्तों के अनुसार काम न कर पाने पर मालिक उनके खिलाफ मुकदमें दायर कर देते, उन्हें सजा देते व जेलों में डाल देते थे।

3/5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. 1) फ्रांसीसियों का दबाव सबसे ज्यादा सैनिक व आर्थिक मामलों में था।
   2) उन्होंने वियतनामी संस्कृति को तहस-नहस करने की कोशिश की।
   3) फ्रांसीसियों और उनके वर्चस्व का अहसास करने वाली हर चीज के खिलाफ वियतनाम के लोगों ने विरोध किया।
   4) यहाँ से वियतनाम में राष्ट्रवाद के बीच पड़े।

2. -- फ्रांसीसियों ने मेकांग डेल्टा इलाके में खेती बढ़ाने के लिए नहर बनवाई, जल निकासी का प्रबंध।
   -- लोगों को जबरत काम पर लगाया गया।
   -- चावल के उत्पादन में वृद्धि। संसार का सबसे बड़ा निर्यातक देश बन गया।

3. वस्तुओं के आवागमन, फौजी टुकड़ियों की आवाजाही और पूरे क्षेत्र पर नियंत्रण कायम करने के लिए।
   -- विशाल रेल नेटवर्क का निर्माण। वियतनाम के उत्तरी व दक्षिणी भागों को जोड़ा गया।
   -- रेल लाइन के जरिए कंबोडिया की राजधानी नोम पेन्ह के रास्ते से होते हुए वियतनाम को स्याम देश से जोड़ दिया गया।
   -- फ्रांसीसी व्यवसायियों द्वारा कारोबार में मुनाफा कमाने के लिए सरकार पर दबाव।

4. * अपने ही लोगों और पर्यावरण की तबाही।
   * तख्तापलट में बायो डाई को गद्दी से हटाया गया। दिएम की अगुवाई में एक और निरंकुश शासन की स्थापना।
   * तानाशाही के खिलाफ एन.एल.एफ की स्थापना। इसने हो ची मिन्ह

के नेतृत्व वाली सरकार की सहायता से देश के एकीकरण के लिए आवाज़ उठाई।

5. -- विनयनाम के मेकोंग डेल्टा इलाके में खेती बढ़ाने के लिए सबसे पहले वहाँ नहरें बनाई, जल निकासी प्रबंध शुरू किया।
   -- सिंचाई व्यवस्था का विस्तार किया गया। कई नहरें व भूमिगत जल धाराएँ बनाई गई।
   -- लोगों को जबरन काम पर लगाने से चावल के उत्पादन में वृद्धि हुई। वियतनाम चावल का दुनिया में 1931 तक तीसरा बड़ा निर्यातक बन चुका था।

6. 1) उपनिवेशों का विकास गुलाम देशों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए हुआ।
   2) विकास जरूरी है जिससे मुनाफा कमाया जा सकता है।
   3) जीवन स्तर बेहतर होगा, वे ज्यादा चीजें खरीदेंगे।
   4) बाजार फैलेगा फ्रांसीसी व्यापारियों को फायदा होगा।

7. **फ्रांसीसियों की शिक्षा नीति :-**
   1) **मुख्य प्रश्न** - शिक्षा किस हद तक दी जाए, किस भाषा में दी जाए।
   2) धनी वर्ग पर चीनी संस्कृति का गहरा प्रभाव।
   3) परंपरागत शिक्षा को तहस नहस किया। फ्रांसीसी किस्म के स्कूल खुले।
   4) फ्रांसीसी भाषा को शिक्षा का माध्यम बनाने का दबाव नीति निर्माताओं द्वारा। कुछ का विचार था कि छोटी कक्षाओं में वियतनामी और बड़ी में फ्रांसीसी भाषा में शिक्षा दी जाए।
   5) किताबों में फ्रांसीसियों और औपनिवेशक शासन का गुणगान।

वियतनामियों को आदिम और पिछड़ा दर्शाया जाता जो बौद्धिक कार्य के लायक नहीं हैं।

6) 1907 में पश्चिमी शिक्षा प्रदान करने के लिए टोंकिन फ्री स्कूल खोला गया। स्कूल छात्रों को पश्चिमी शैली को अपनाने के लिए उकसाता था।
7) विद्यार्थियों को जानबूझकर फेल करना ताकि वे अच्छी नौकरियों की योग्यता प्राप्त न कर सकें।
8) पुस्तकों और पाठ्यक्रम का शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा विरोध हुआ।
9) शिक्षा के खिलाफ चल रहा संघर्ष धीरे-धीरे उपनिवेशवाद के विरोध और स्वतंत्रता के हक में चलने वाला व्यापक आंदोलन बन गया।

टोंकिन फ्री स्कूल खोलने का उद्देश्य :-

1) फ्रांसीसी वियतनामियों को पश्चिमी ढंग की शिक्षा देना चाहते थे।
2) विज्ञान, स्वच्छता, फ्रांसीसी भाषा और साहित्य शामिल थे।
3) कक्षाएँ शाम को लगती थीं। इनके लिए फीस अलग देनी होती थी।
4) बच्चों को छोटे-छोटे बाल रखने की सलाह दी जाती थी।

8. 1) 20वीं सदी के शुरू में चीन में शुरू।
2) 300 वियतनामी विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करने जापान गए।
3) वियतनाम से फ्रांसीसीयों को निकालना।
4) जापानियों से हथियार व समर्थन की मांग।
5) वियतनामी विद्यार्थियों ने टोकियो में रेस्टोरेशन सोसायटी की स्थापना की।

9. 1) 1960 के दशक के पत्र-पत्रिकाओं में दुश्मन से लोहा लेती औरतों की तस्वीर छपने लगी।

2) योद्धा के रूप में ही नहीं बल्कि कामगारों के रूप में भी पेश किया गया।

3) बूढ़ी या जवान औरतों को निःस्वार्थ भाव से देश की रक्षा करते दिखाया।

10. 1) इस मार्ग पर सड़कों का एक बड़ा जाल है जो पड़ोसी देशों से जोड़ता है।

2) फुटपाथों और सड़कों के विशाल नेटवर्क के माध्यम से सैनिक व रसद सामग्री भेजी जाती थी।

3) इन मार्गो पर जगह-जगह छोटे सैनिक अड्डे व अस्पताल बने थे।

4) माल ढुलाई का काम कुली करते थे।

11. 1) 1902 में चूहों को पकड़ने की मुहिम शुरू की गई।

2) चूहे के बदले ईनाम दिया जाने लगा।

3) ईनाम के चक्कर में चूहे पकड़ते और छोड़ देते।

4) हनोई नगर में सफाई अभियान।

इतिहास कक्षा 10वीं

अध्याय - 3

भारत में राष्ट्रवाद

महत्वपूर्ण घटनायें / तथ्य :-

1. 1885 ई0 - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना।
2. 1915 में महात्मा गांधी भारत लौटे। इससे पहले वे दक्षिण अफ्रीका में थे। भारत आने के उपरांत 1916 में उन्होंने नील की खेती कर रहे किसानों की मदद के लिए चंपारन सत्याग्रह, 1917 में गुजरात के किसानों की मदद के लिए खेड़ा सत्याग्रह व 1918 में सूती कपड़ा कारखाने के मज़दूरों के लिए अहमदाबाद मिल सत्याग्रह का आयोजन किया।
3. 18 मार्च, 1919 में रॉलेट एक्ट कानून के विरूद्ध राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू किया। इस कानून में राजनीतिक कैदियों को दो साल तक बिना मुकदमा चलाए जेल में बंद रखने का प्रावधान था।
4. 13 अप्रैल, 1919 जलियाँवाला बाग हत्याकाँड। पंजाब के अमृतसर जिले में जनरल डायर के आदेश पर सैकड़ों लोगों की हत्या कर दी गई।
5. 1920-22 में कांग्रेस और मुस्लिम लीग द्वारा असहयोग एवं खिलाफत आंदोलन चलाया गया। यह निर्णय 1920 में कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन में हुआ।
6. 1922 में गोरखपुर स्थित चौरी-चौरा में बाज़ार से गुजर रहा एक शांतिपूर्ण जुलूस पुलिस के साथ हिंसक टकराव में बदल गया। इस हिंसक घटना के कारण गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन वापस ले लिया।
7. 1928 में जब साइमन कमीशन भारत पहुँचा तो उसका विरोध साइमन वापस जाओ के नारों से हुआ।

8. 1929 में जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में कांग्रेस ने लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज की माँग की। 26 जनवरी, 1930 को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया गया।

9. 1930 में गाँधीजी ने वायसराय इर्विन को एक खत लिखा जिसमें उन्होने 11 माँगों का उल्लेख किया। माँगों के न माने जाने पर सविनय अवज्ञा आंदोलन छेड़ने की बात की।

10. 11 मार्च, 1930 को गाँधीजी ने 78 वॉलंटियरों के साथ नमक कानून तोड़ते हुए डांडी यात्रा की शुरूआत की और सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ हो गया।

11. 1931 में गाँधीजी ने अस्थाई रूप से सविनय अवज्ञा आंदोलन को रोक दिया व द्वितीय गोल मेज सम्मेलन में भाग लेने लंदन गए। यह वार्ता बीच में ही टूट गई व उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ा। वापस आकर आंदोलन फिर शुरू किया जो 1934 तक मंद पड़ते-पड़ते समाप्त हो गया।

12. पूना पैक्ट - दूसरे गोल मेज सम्मेलन में अलग निर्वाचन क्षेत्रों के सवाल को लेकर डॉ अंबेडकर एवं गाँधीजी के बीच काफी वाद-विवाद हुआ। अंत में पूना पैक्ट के तहत पूर्व घोषित पिछड़ा वर्ग चुनाव क्षेत्र को समाप्त कर दिया व उनके लिए कुल 148 स्थान आरक्षित रखे गए।

महत्वपूर्ण शब्दावली -

1. **सत्याग्रह** - सत्याग्रह का अर्थ है सत्य के लिए आग्रह करना। यदि उद्देश्य सच्चा है और अन्याय के खिलाफ है तो उत्पीड़न के खिलाफ मुकाबला करने के लिए शारीरिक बल की आवश्यकता नहीं है। सत्याग्रही केवल अहिंसा के सहारे भी अपने संघर्ष में सफल हो सकता है।

2. **बहिष्कार** – किसी के साथ संपर्क रखने या जुड़ने से इन्कार करना या गतिविधियों में हिस्सेदारी, चीजो की खरीद व इस्तेमाल से इन्कार करना। यह विरोध का एक रूप है।
3. **गिरमिटिया मज़दूर** – औपनिवेशिक शासन के दौरान बहुत सारे लोगों को काम करने के लिए फिजी, गुयाना, वेस्टइंडीज आदि स्थलों पर ले जाया गया जिन्हें बाद में गिरमिटिया कहा जाने लगा। जिस अनुबंध के सहारे उन्हें ले जाया गया उसे ये मज़दूर गिरमिट कहने लगे।
4. **स्वदेशी** – अपने देश में बनी वस्तुओं, देशी संस्थाओं, अदालतों का प्रयोग करना जिससे स्वदेशी उद्योगों के हितों को प्रोत्साहन मिले।
5. **सविनय अवज्ञा** – विनम्रतापूर्वक सरकार की आज्ञा की अवहेलना करना जिससे ब्रिटिश सरकार शासन न चला पाए। इसे गाँधीजी ने प्रारंभ किया।
6. **खलीफा** – मुसलमानों के आध्यात्मिक गुरू।
7. **बेगार** – बिना किसी पारिश्रमिक के किसी से काम करवाना।
8. **हरिजन** – गाँधीजी द्वारा अछूतों को हरिजन या ईश्वर की संतान बताया गया।
9. **मार्शल लॉ** – कर्फ्यू के दौरान वह स्थिति जिसमें सेना को किसी के बाहर दिखने पर गोली मार देने के कड़े निर्देश होते हैं।
10. **पिकेटिंग** – प्रदर्शन या विरोध का एक ऐसा स्वरूप जिसमें लोग किसी दुकान, फैक्ट्री, दफ्तर के भीतर जाने का रास्ता रोक लेते हैं।

महत्वपूर्ण Personalities

1. महात्मा गाँधी
2. बी. आर. अंबेडकर
3. खान अब्दुल गफ्फार खान।

4. जवाहर लाल नेहरू
5. बाबा रामचंद्र
6. अवनींद्रनाथ टैगोर
7. नटेसा शास्त्री
8. मोहम्मद अली जिन्ना
9. मोहम्मद अली और शौकत अली
10. लाला लाजपत राय
11. राजेन्द्र प्रसाद
12. सुभाषचंद्र बोस

1 अंक वाले प्रश्न :-

1. गाँधी जी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन का आरंभ किन महम्वपूर्ण घटनाओं के साथ किया ?
2. किसके नेतृत्व में अवध किसान सभा का गठन किया गया ?
3. साइमन कमीशन कब भारत पहुँचा व इसका विरोध क्यों हुआ ?
4. दक्षिण अफ्रीका से आने के बाद गाँधीजी ने किन स्थानों पर सत्याग्रह आंदोलन चलाया ?
5. मद्रास के नटेसा शास्त्री ने तमिल के किस विशाल संकलन को चार खंडों में प्रकाशित किया ?
6. सत्याग्रह के विचार में किन दो बातों पर ज़ोर दिया जाता है ?
7. रॉलेट एक्ट को काला कानून क्यों कहा गया ?
8. वंदे मातरम् गीत कब और किसने लिखा ? इसमें किसका गुणगान किया गया है ?
9. ब्रिटिश सरकार ने 1857 के पश्चात प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध क्यों लगा दिया ?
10. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना कब हुई ?

11. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पहले अध्यक्ष कौन थे?
12. 1922 में महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन क्यों वापस लिया?
13. 'हिंद स्वराज' नामक पुस्तक की रचना किसके द्वारा की गई?
14. मुस्लिम लीग की स्थापना कब हुई?
15. गाँधी जी ने किस वर्ष बिहार के चंपारन इलाके का दौरान किया?
16. असहयोग व खिलाफत आंदोलन कब शुरू हुआ?
17. असहयोग आंदोलन के दौरान अवध में किसानों का नेतृत्व किसने किया?
18. आंध्र प्रदेश की गूडेम पहाड़ियों में आदिवासी किसानों के विद्रोह का नेतृत्व किसने किया?
19. किस दशक की शुरूआत में उग्र गुरिल्ला आंदोलन फैला था?
20. 'वन्देमातरम्' राष्ट्रीय गीत किसने लिखा था?
21. पूना पैक्ट क्या था?
22. डिस्कवरी ऑफ इंडिया पुस्तक का लेखक कौन था?
23. अवनीद्रनाथ टैगोर कौन थे?
24. खिलाफत आन्दोलन किसने शुरू किया था?
25. साइमन कमीशन भारत कब पहुंचा था?

लघु/ दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. असहयोग आंदोलन आरंभ किए जाने के क्या कारण थे? इस आंदोलन में समाज के विभिन्न वर्गों की हिस्सेदारी पर प्रकाश डालिए। इसकी कार्यक्रम/ कार्य पद्धति, प्रगति एवं अंततः समाप्ति को समझाइए।
2. खिलाफत आंदोलन को प्रारम्भ करने के मुख्य कारण कौन से थे? भारतीय राष्ट्र आंदोलन में उसका क्या योगदान था?
3. सविनय अवज्ञा आंदोलन के प्रति लोगों और औपनिवेशिक सरकार ने किस प्रकार प्रतिक्रिया व्यक्त की? किन परिस्थितियों में गाँधीजी ने

सविनय अवज्ञा आंदोलन को वापस लेने का निर्णय लिया।

4. सक्रिय राजनीति में भाग लेने से पूर्व गाँधीजी ने किन-किन स्थानों पर सत्याग्रह आंदोलन किए? इनके प्रारंभ होने के क्या कारण थे?
5. ''प्रथम विश्वयुद्ध' ने एक नई आर्थिक व राजनीतिक स्थिति पैदा कर दी। समीक्षा कीजिए।
6. गाँधीजी की नमक यात्रा कई कारणों से उल्लेखनीय थी। समीक्षा कीजिए। सविनय अवज्ञा आंदोलन के महत्व का वर्णन कीजिए।
7. भारत में राष्ट्रवाद की भावना पनपने में किन कारकों का योगदान था? राष्ट्रवाद के विकास का विश्व पर क्या प्रभाव पड़ा?
8. असम में बागान मज़दूरों के लिए स्वराज की अवधारणा क्या थी?
9. भारतीयों ने साइमन कमीशन का विरोध क्यों किया?
10. भारत के लोग रॉलट एक्ट के विरोध में क्यों थे?
11. गाँधी-इर्विन समझौते की विशेषताएँ क्या थीं?
12. सविनय अवज्ञा आंदोलन असहयोग आंदोलन के मुकाबले किस तरह अलग था?
13. 1916 के लखनऊ समझौते का इतिहास में क्या महत्व था?
14. सत्याग्रह के विचार का क्या अर्थ है?
15. अल्लूरी सीताराम राजू कौन थे? असहयोग आंदोलन में उनका योगदान बताइए।

उत्तरमाला :-

1 अंक वाले प्रश्न

1. 1) नमक कानून तोड़ कर
   2) स्वदेशी वस्तुओं को अपनाकर व विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करके।
2. बाबा रामचंद्र

3. यह 1927 में भारत पहुँचा। किसी भारतीय सदस्य को इसमें न शामिल किए जाने के कारण इसका विरोध हुआ।

4. 1) चम्पारन 2) खेड़ा 3) अहमदाबाद

5. 'द फोकलोर्स ऑफ सदर्न इंडिया'

6. 1) सत्य की शक्ति पर आग्रह
   2) सत्य की खोज

7. इस अन्यायपूर्ण एक्ट के द्वारा राजनैतिक कैदियों को बिना मुकदमा चलाए जेल में बंद रखने का अधिकार मिल गया।

8. 1870 में बंकिम चन्द्र चटर्जी ने लिखा। इसमें भारत माता का गुणगान किया गया है।

9. भारतीय समाचार पत्रों द्वारा राष्ट्रवाद को बढ़ावा देने के कारण।

10. 1885 में

11. व्योमेश चन्द्र बैनर्जी

12. चौरी-चौरा में हिंसात्मक घटना के कारण

13. महात्मा गाँधी

14. 1906 में

15. 1917 ई में

16. जनवरी 1920 ई. में

17. बाबा रामचन्द्र

18. अल्लूरी सीताराम राजू

19. 1920 के दशक में

20. रवीन्द्रनाथ टैगोर

21. गाँधी जी और डा. अम्बेडकर के बीच समझौता हुआ।

22. जवाहर लाल नेहरू

23. चित्रकार

24. अली भाइयों (मुहम्मद अली, शौकत अली)

25. 1928

लघु/ दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. **आंदोलन के कारण :-**

-- प्रथम महायुद्ध की समाप्ति पर अंग्रेजों द्वारा भारतीय जनता का शोषण।

-- अंग्रेजों द्वारा स्वराज प्रदान करने से मुकर जाना।

-- रॉलेट एक्ट का पारित होना

-- जलियाँवाला बाग हत्याकांड

-- कलकत्ता अधिवेशन में 1920 में कांग्रेस द्वारा असहयोग आंदोलन का प्रस्ताव बहुमत से पारित।

विभिन्न वर्गों की हिस्सेदारी :-

1. शहरों में आन्दोलन
2. ग्रामीण इलाकों में विद्रोह
3. आदिवासी क्षेत्रों में विद्रोह
4. बागानों में स्वराज

कार्यपद्धति, प्रगति -

1. चरणबद्ध योजना प्रक्रिया।
2. प्रथम चरण - सरकारी पदवियों, नौकरियों, सेना, पुलिस, स्कूलों, विद्यार्थी परिषदों व विदेशी वस्तुओं का त्याग।
3. **दूसरा चरण** - व्यापक स्तर पर सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ होना शामिल था।

समाप्ति - गाँधी जी द्वारा चौरी-चौरा में हुई हिंसक घटना के फलस्वरूप आंदोलन वापस ले लिया गया।

2. ★ तुर्की साम्राज्य (खलीफा) का अंग्रेजों द्वारा अपमान।

★ लखनऊ समझौते (1916) के बाद कांग्रेस के साथ मुस्लिम लीग का समझौता।

★ असहयोग आंदोलन कांग्रेस द्वारा आरंभ होना तथा मुसलमानों को मिलाकार खिलाफत आंदोलन के साथ करना।

योगदान :-

1) हिंदुओं और मुसलमानों में एकता का बीजारोपण।

2) राष्ट्रीय आंदोलन को बल मिला।

3. लोगों ने सरकारी कानूनों को भंग करना शुरू कर दिया। आंदोलन को दबाने के लिए सरकार ने कठोरता से काम लिया। हजारों जेल गए। गाँधीजी को कैद कर लिया गया। अब जनता इसमें बढ़-चढ़कर भाग लेने लगी।

4. 1) **1916 में चंपारन सत्याग्रह** - नील की खेती करने वाले किसानों के पक्ष में।

2) खेड़ा सत्याग्रह (1917) - किसानों को लगान में छूट दिलवाने के लिए।

3) अहमदाबाद में मिल मजदूर हड़ताल (1918)

5. -- प्रथम विश्व युद्ध के उपरांत स्वराज देने का वचन नकार दिया गया।

-- आर्थिक स्थिति दयनीय- बेरोज़गारी व बेकारी से मज़दूर, शिल्पकार आदि सभी ग्रसित थे।

-- युद्ध ने राष्ट्रीयता के भाव जागृत किए। लोग दमनकारी सरकार के विरूद्ध एकजुट हुए।

6. -- नमक कर ब्रिटिश सरकार का सबसे दमनात्मक पहलू बताया गया।
   -- गाँधीजी द्वारा विश्वस्त वालंटियरों के साथ नमक यात्रा शुरू।
   -- राष्ट्रीय आंदोलन से आम आदमी के मुद्दे को जोड़ना।
   -- कानून का उल्लंघन। प्रदर्शन व विदेशी चीजों का बहिष्कार
   -- शराब की दुकानों पर पिकेटिंग।
   -- किसानों द्वारा लगान व चौकीदारी कर चुकाने से इंकार।
   -- सरकार द्वारा दमन चक्र चलाना व नेताओं की गिरफ्तारी। इसने सरकार का मनोबल तोड़ा।

7. 1) साहित्य, लोक कथाओं, गीतों व चित्रों के माध्यम से राष्ट्रवाद का प्रसार।
   2) भारत माता की छवि रूप लेने लगी।
   3) लोक कथाओं द्वारा राष्ट्रीय पहचान।
   4) चिन्हों और प्रतीकों के प्रति जागरूकता। उदाहरण झंडा।
   5) इतिहास की पुनर्व्याख्या।

8. 1) अनुबंध के नियमों का उल्लंघन।
   2) चाय बगानों से बाहर निकलना।
   3) असहयोग आंदोलन में सम्मिलित होना।
   4) कृषि भूमि तथा सुख साधनों को प्राप्त करना।

9. 1) समय से पहले गठन।
   2) शासन में सुधार जैसी कोई बात नहीं।
   3) एक भी भारतीय शामिल नहीं किया गया।

10. 1) यह एक काला कानून था।

2) इस कानून के अंतर्गत किसी को लंबे समय तक जेल में डाला जा सकता था।

3) विश्व युद्ध के बाद इसे खत्म करना था पर सरकार ने इसे बनाए रखा। इसका विरोध आम जनता ने किया।

11. 1) 5 मई 1931 ई. को गाँधी इरविन समझौता।

2) सविनय अवज्ञा आंदोलन स्थगित कर दिया जाये।

3) पुलिस द्वारा किए अत्याचारों की निष्पक्ष जाँच की जाये।

4) नमक पर लगाए गए सभी कर हटाए जाएँ।

12. 1) इस बार लोगों को न केवल अंग्रेजों का सहयोग न करने के लिए बल्कि औपनिवेशिक कानूनों का उल्लंघन करने के लिए आह्वान किया जाने लगा।

2) देश के विभिन्न भागों में हजारों लोगों ने नमक कानून तोड़ा तथा सरकारी नमक कारखानों के सामने प्रदर्शन किए।

3) विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया जाने लगा।

4) किसानों ने लगान और चौकीदार कर चुकाने से इन्कार कर दिया।

5) वनों में रहने वाले लोगों ने वन कानूनों का उल्लंघन करना आरंभ कर दिया।

13. 1) कांग्रेस के नरम दल और गरम दल का एक मंच पर आना।

2) कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच समझौता।

3) दोनों का संयुक्त होकर अंग्रेजों से अपनी मांगों को लेकर सामना करना।

4) बाल गंगाधर तिलक का इसमें बड़ा योगदान था।

14. 1) सत्य की शक्ति पर आग्रह और सत्य की खोज पर जोर।

2) प्रतिशोध या बदले की भावना के बिना संघर्ष करना।

3) अहिंसा के बल पर संघर्ष करना।

4) उत्पीड़क शत्रु को नहीं बल्कि सभी लोगों को हिंसा की अपेक्षा सत्य को स्वीकार करने पर विवश करना।

15. अल्लूरी सीताराम राजू ने आंध्र प्रदेश की गुडेम पहाड़ियों के आदिवासी किसानों का नेतृत्व किया।

1) वह एक रोचक व्यक्ति थे। इन्हें खगोलीय ज्ञान प्राप्त था।

2) लोगों का मानना था कि उनके पास विशेष शक्तियाँ हैं जिससे वह लोगों को स्वस्थ कर सकते हैं।

3) वह गाँधी जी के प्रशंसक थे।

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के प्रमुख केन्द्र

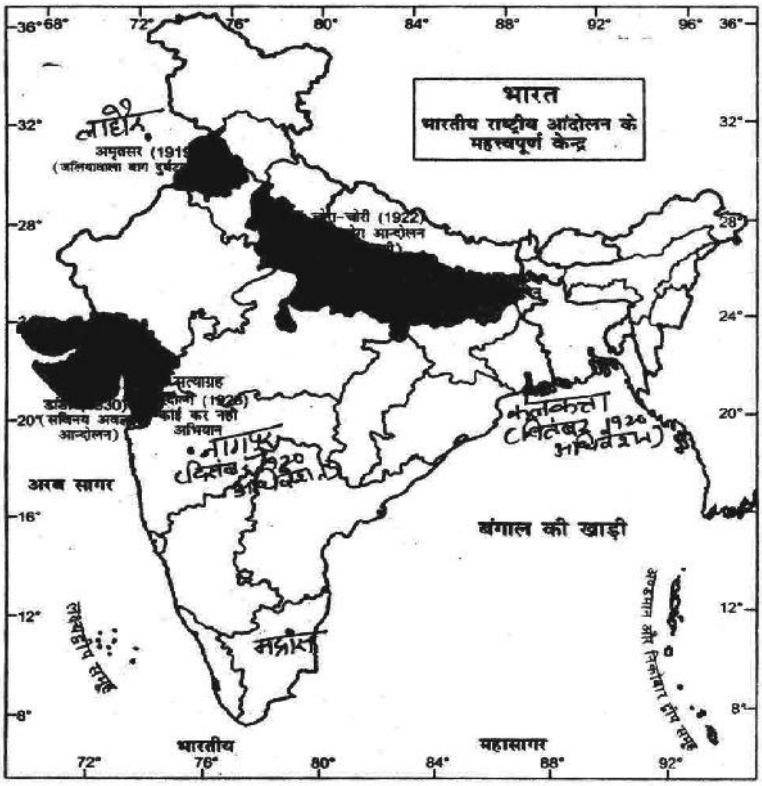

(असहयोग तथा सविनय अवज्ञा आन्दोलन)

असहयोग तथा सविनय अवज्ञा आंदोलन :-

1. चम्पारन (बिहार) नील उत्पादक किसानों का आन्दोलन - 1917
2. अमृतसर (पंजाब) जलियाँवाला बाग हत्याकांड - 1919
3. चौरी-चौरा (उ.प्र0) असहयोग आन्दोलन की वापसी - 1922
4. बारदौली (गुजरात) कर न चुकाने का अभियान - 1928
5. डाण्डी (गुजरात) सविनय अवज्ञा आन्दोलन - 1930
6. नागपुर - कांग्रेस दिसंबर 1920 अधिवेशन।
7. कलकत्ता (1920 में असहयोग आंदोलन प्रस्ताव पारित)
8. लाहौर (1929 का कांग्रेस अधिवेशन)
9. बम्बई - कांग्रेस 1940 अधिवेशन (भारत छोड़ो आंदोलन प्रस्ताव)
10. मद्रास - 1927 का कांग्रेस अधिवेशन

इतिहास कक्षा 10वीं

अध्याय - 5

खनिज और ऊर्जा संसाधन

महत्वपूर्ण घटनायें / तथ्य :-

1. **खनिज** - हमारे जीवन का अति अनिवार्य भाग। सभी वस्तुओं का निर्माण खनिजों द्वारा होता है। एक कार्बनिक पदार्थ जिसमें कठोरता, रंग और निश्चित आकार होता है।
2. **लिग्नाइट** - निम्न कोटि का भूरा मुलायम कोयला।
3. **अयस्क** - लोहा, मैंगनीज, अभ्रक जैसे खनिज के अंशों का मिश्रित रूप।
4. **हेमेटाइट** - उद्योग में प्रयोग होने वाला सर्वाधिक महत्वपूर्ण लोहा जिसमें 50-60 प्रतिशत लौह अंश होता है।
5. **मैग्नेटाइट** - उच्च कोटि का लौह अयस्क जिसमें 70 प्रतिशत लौह अंश होता है।
6. **पेट्रोलियम** - अशुद्ध या कच्चा खनिज तेल।
7. **खनन** - उपयोगी खनिज पदार्थो के निष्कर्षण का काम।
8. **लौह खनिज** - जिन खनिजों में लौह अंश होता है जैसे लोहा, मैंगनीज़ आदि।
9. **मुंबई हाई** - मुंबई से 115 कि.मी. दूर अरब सागर में उथला समुद्री तेल क्षेत्र।
10. **आणविक शक्ति** - अणु के विखंडन से प्राप्त ऊर्जा।
11. **आणविक खनिज** - परमाणु ऊर्जा को धारण करने वाले पदार्थ जैसे यूरेनियम, थोरियम तथा बैरिलियम।
12. **बायो गैस** - ऊर्जा जो घास फूस, कृषि कचरा, जानवर तथा मानव अपशिष्ट पदार्थो से प्राप्त की जाती है।

13. **धात्विक खनिज** – वे खनिज जिनमें धातु का अंश अधिक होता है जैसे लौह अयस्क, बॉक्साइट।

14. **अधात्विक खनिज** – वे खनिज जिनमें धातु का अंश नहीं होता है जैसे चूना पत्थर, पोटाश आदि।

15. **भूगर्भशास्त्री** – वे वैज्ञानिक जो चट्टानों की प्रकृति और उनके निर्माण का अध्ययन करते हैं।

भारत में विभिन्न खनिज उत्पादन करने वाले क्षेत्रों का विवरण :–

खनिज का नाम		उत्पादन करने वाले क्षेत्र
लौह अयस्क	--	छत्तीसगढ़, झारखंड, उड़ीसा, गोआ और कर्नाटक।
मैंगनीज़	--	कर्नाटक, उड़ीसा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गोआ आदि।
एल्यूमिनियम (बॉक्साइट)	--	मध्य प्रदेश, गुजरात, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़।
अभ्रक	--	झारखंड, बिहार, आन्ध्रप्रदेश, राजस्थान आदि।
ताँबा	--	मध्यप्रदेश, झारखण्ड, राजस्थान, कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश
सोना	--	कर्नाटक और बिहार आदि।
कोयला	--	झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, आन्ध्र प्रदेश, महाराष्ट्र आदि।
खनिज तेल	--	मुंबई हाई, असम, गुजरात, अरूणाचल प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु।

1 अंक वाले प्रश्न

1. अवसादी चट्टानों में खनिज किस प्रकार मिलते है ?
2. लौह अयस्क की सर्वोत्तम किस्म कौन सी है ?
3. मैंगनीज का उपयोग क्या-क्या बनाने में किया जाता है ?
4. चूना पत्थर किस उद्योग का आधारभूत कच्चा माल है ?

5. मोनाजाइट रेत में कौन सा खनिज पाया जाता है?
6. ऊर्जा के गैर परंपरागत साधन कौन-कौन से हैं?
7. भारत का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र कहाँ स्थित है?
8. भारत में भू-तापीय ऊर्जा की दो परियोजनाएँ कहाँ शुरू की गई हैं?
9. रैट होल खनन क्या है?
10. बांबे हाई किसलिए प्रसिद्ध है?
11. कौन सा खनिज सबसे कठोर होता है?
12. कौन सा खनिज प्रायः महासागरीय जल से प्राप्त किया जाता है?
13. उस खनिज का नाम बताइए जिसका भारत विश्व में सबसे बड़ा उत्पादक है?
14. ताँबे का महत्व या उपयोग बताइए?
15. उच्चकोटि के कोयले का नाम बताइए?
16. भारत में सबसे बड़ा पवन ऊर्जा पेटी कहाँ अवस्थित है?

लघु / दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक वाले प्रश्न)

1. खनिजों का हमारे लिए क्या महत्व है?
2. खनिज कितने प्रकार के होते हैं तथा उनका वर्गीकरण किस आधार पर किया जाता है?
3. आग्नेय और कायांतरित चट्टानों में खनिजों का निर्माण कैसे होता है?
4. लौह और अलौह खनिज में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
5. लौह अयस्क की तीन प्रमुख पेटियों का उल्लेख कीजिए।
6. अभ्रक किस रूप में पाया जाता है? भारत में इसके निक्षेपों के प्रमुख क्षेत्रों का उल्लेख कीजिए? अभ्रक के मुख्य उपयोग क्या हैं?
7. भारत में गैस परिवहन की धमनी कही जाने वाली पाइपलाइन का नाम लिखिए। प्राकृतिक गैस के दो प्रमुख प्रयोक्ताओं का उल्लेख कीजिए।

8. भारत में सौर ऊर्जा का भविष्य उज्ज्वल है, क्यों ?
9. तापीय और जल विद्युत ऊर्जा में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
10. मुंबई हाई क्यों प्रसिद्ध है ? देश की अर्थव्यवस्था में उसका क्या स्थान है। ?
11. खनन उद्योग को घातक उद्योग क्यों कहा जाता है ?
12. हम ऊर्जा का संरक्षण किस प्रकार कर सकते है ?
13. हमें खनिजों के संरक्षण की आवश्यकता क्यों है ? इसके संरक्षण के उपाय बताइए ?

उत्तरमाला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. अवसादी चट्टानों में खनिज परतों या संस्तरों में पाये जाते हैं।
2. मैग्नेटाइट, 70 प्रतिशत लोहांश पाया जाता है।
3. इस्पात, ब्लीचिंग पाउडर, कीटनाशक दवाएँ और पेंट बनाने में।
4. सीमेंट उद्योग
5. थोरियम
6. पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा, ज्वारीय ऊर्जा, भू-तापीय ऊर्जा।
7. भुज के निकट माधोपुर में (गुजरात)।
8. हिमाचल प्रदेश के मणिकरण पार्वती घाटी में तथा लद्दाख में पूगा घाटी में।
9. जोबाई या चेरापूंजी में कोयले का खनन, परिवार के सदस्यों द्वारा एक लंबी संकीर्ण सुरंग के रूप में किया जाता है।
10. भारत का सबसे बड़ा पेट्रोलियम उत्पादक क्षेत्र है। 63 प्रतिशत।
11. हीरा सबसे कठोर होता है।
12. मैग्नीशियम, नमक तथा ब्रोमाइन।

13. अभ्रक।

14. बिजली के तार बनाने, रसायन उद्योग और इलैक्ट्रानिक्स में।

15. बिटुमिनस व एंथ्रेसाइट।

16. नागरकोइल (तमिलनाडु) और जैसलमेर (राजस्थान) में।

लघु और दीर्घ प्रश्नों के उत्तर (3/5 अंक)

1. दैनिक जीवन में काम आने वाली छोटी से छोटी चीज़ सुई से लेकर जहाज तक खनिजों से बनाए जाते हैं। इमारतें, पुल तक खनिजों से बनाए जाते हैं। भोजन में भी खनिज होते है।
मशीनें और औज़ार खनिजों से बनते हैं।
परिवहन के साधन, बर्तन आदि बनाए जाते हैं।

2. खनिज 3 प्रकार के होते है।
1) धात्विक 2) अधात्विक 3) ऊर्जा खनिज
खनिजों का वर्गीकरण उनके रंग, चमक, कठोरता, घनत्व तथा क्रिस्टल के आधार पर किया जाता है।

3. आग्नेय और कायांतरित चट्टानों में खनिज दरारों, जोड़ों, भ्रंशों व विदरों में मिलते हैं। छोटे जमाव शिराओं के रूप में तथा बड़े जमाव परत के रूप में पाए जाते हैं। जब ये तरल या गैसीय अवस्था में दरारों के सहारों भू-पृष्ट की ओर धकेले जाते हैं। ऊपर आते हुए ये ठंडे होकर जम जाते है। मुख्य धात्विक खनिज जैसे जस्ता, तांबा, जिंक और सीसा आदि इसके उदाहरण हैं।

मानचित्र

भारत के मानचित्र पर निम्नलिखित परंपरागत ऊर्जा स्त्रोत दर्शाइए

1) कोयला क्षेत्र 2) कोयला खानें 3) तेल क्षेत्र

4) मुख्य सुरक्षित प्राकृतिक गैस

5) एच वी जे प्राकृतिक गैस पाइपलाइन

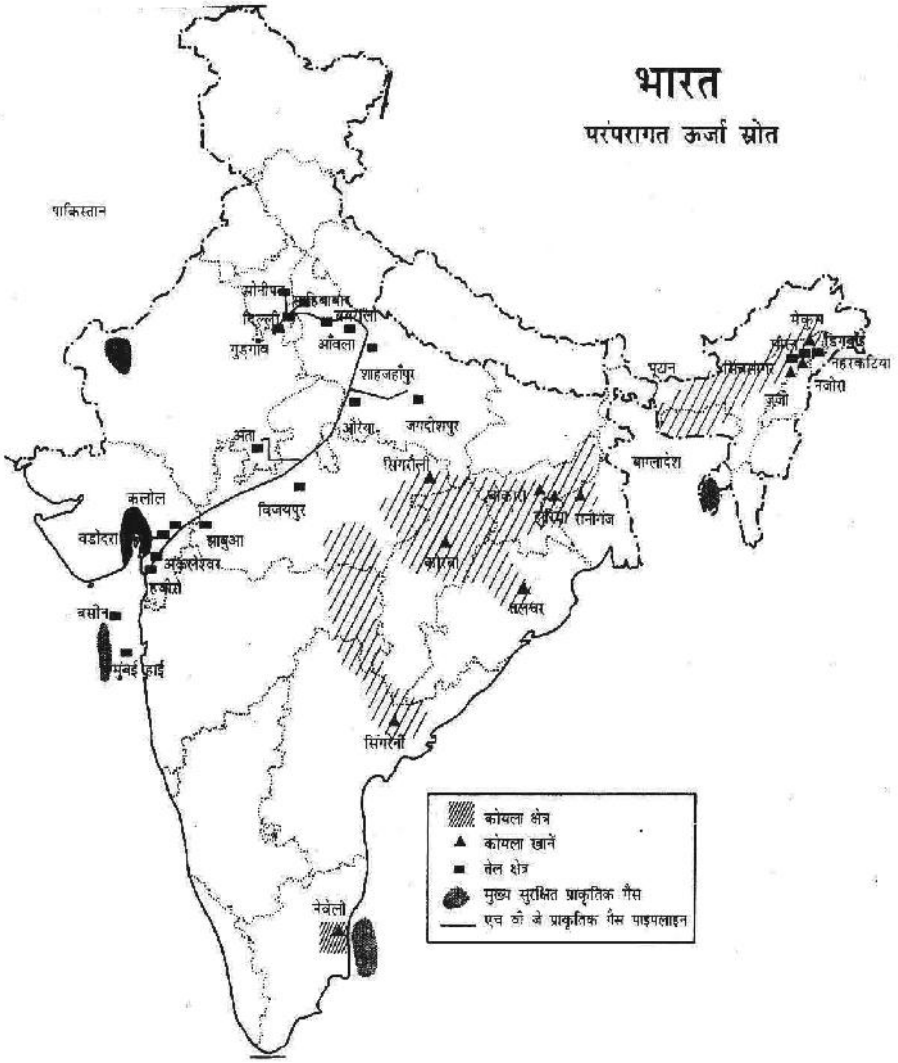

4. लौह खनिज अलौह खनिज

1) जिनमें लोहे का अंश होता है। -- जिनमें लोहे का अंश नहीं होता है।

2) लौह अयस्क, मैंगनीज, निकल और कोबाल्ट आदि। -- तांबा, सीसा, जस्ता और बॉक्साइट।

5. ★ उड़ीसा - झारखण्ड पेटी
   ★ महाराष्ट्र - गोआ पेटी
   ★ बेलारी - चित्रदुर्ग, चिकमगलूर - तुमकुर पेटी
   ★ दुर्ग - बस्तर-चन्द्रपुर पेटी

6. अभ्रक प्लेटों या परतों के रूप में पाया जाता है। अभ्रक के निक्षेप-
   ★ छोटा नागपुर पठार के उत्तरी पठारी किनारों पर।
   ★ बिहार-झारखण्ड की कोडरमा-गया-हज़ारीबाग पेटी।
   ★ राजस्थान में अजमेर के पास।
   ★ आंध्र प्रदेश की नेल्लोर पेटी।

   अभ्रक विद्युत और इलेक्ट्रानिक उद्योगों में प्रयोग किया जाता है।

7. 1700 कि.मी. लंबी हजीरा-विजयपुर-जगदीशपुर गैस पाइपलाइन मुबंई हाई और बसीन को पश्चिमी व उत्तरी भारत के उर्वरक, विद्युत व अन्य औद्योगिक क्षेत्रों से जोड़ती है।

   ऊर्जा व उर्वरक उद्योग प्राकृतिक गैस के प्रमुख प्रयोक्ता है। तरल ईंधन (सीएनजी) संपीडित प्राकृतिक गैस का प्रयोग गाड़ियों में किया जा रहा है।

8. ★ भारत एक उष्ण-कटिबंधीय देश है।
   ★ यह प्रदूषण रहित है।
   ★ यह नवीकरणीय स्रोत है।

★ निम्नवर्ग के लोग आसानी से इसका लाभ उठा सकते हैं।

9.

तापीय विद्युत	जल विद्युत ऊर्जा
यह विद्युत कोयले, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के प्रयोग से पैदा की जाती है।	जल विद्युत ऊर्जा गिरते हुए जल की शक्ति का प्रयोग करके टरबाइन को चलाने से होता है।
– यह प्रदूषण युक्त है।	यह प्रदूषण रहित है।
– स्थायी स्रोत नहीं है ।	स्थायी स्रोत है।

भारत के मानचित्र पर प्रमुख आणविक और तापीय ऊर्जा संयत्रों को दर्शाइए।

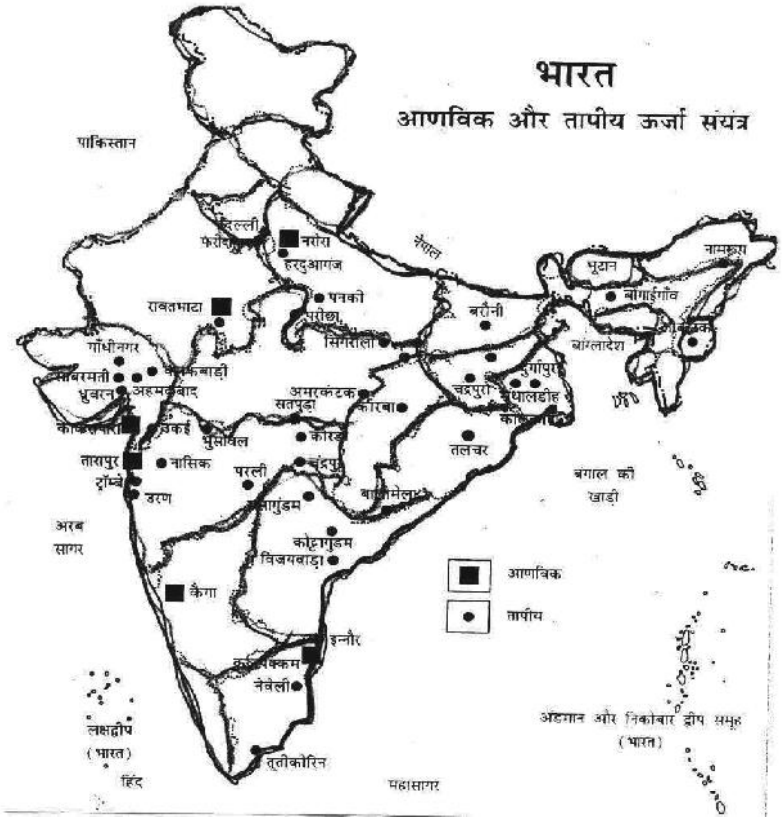

10. मुम्बई के पास खनिज तेल के जिस अपतटीय क्षेत्र का पता चला है उसे मुंबई हाई कहते हैं।
भारत में कुल पेट्रोलियम उत्पादन का 63 प्रतिशत भाग मुंबई हाई से प्राप्त होता है। विदेशी मुद्रा की बचत होती है।

11. इस उद्योग से श्रमिकों के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर बहुत खराब प्रभाव पड़ता है।

* लगातार धूल व हानिकारक धुएँ में सांस लेना पड़ता है।
* श्रमिकों को फेफड़ों से संबंधित बीमारियाँ हो जाती हैं।
* खदानों में पानी भर जाने या आग लग जाने से श्रमिकों को डर बना रहता है।
* कई बार खदानों की छत के गिर जाने से उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ती है।
* खनन के कारण नदियों का जल प्रदूषित हो जाता है।
* भूमि और मिट्टी का अपक्षय होता है।

12. 1) जरूरत न होने पर बिजली बन्द कर देनी चाहिए।
2) सार्वजनिक वाहन का उपयोग करना चाहिए।
3) परंपरागत ऊर्जा के स्रोत सीमित हैं। इनका प्रयोग बड़े ध्यान से करना चाहिए।
4) नवीकरणीय साधनों का प्रयोग करना चाहिए।
5) विद्युत बचत करने वाले उपकरणों का प्रयोग करना चाहिए।

13.
* खनिज हमारे उद्योग और कृषि के आधार हैं।
* नवीकरण योग्य नहीं है।
* निक्षेपों की कुल मात्रा बहुत ही कम है।
* इनके निर्माण में लाखों वर्ष लग जाते हैं।

भारत के मानचित्र पर निम्नलिखित खनिजों के स्थान दर्शाइए :-

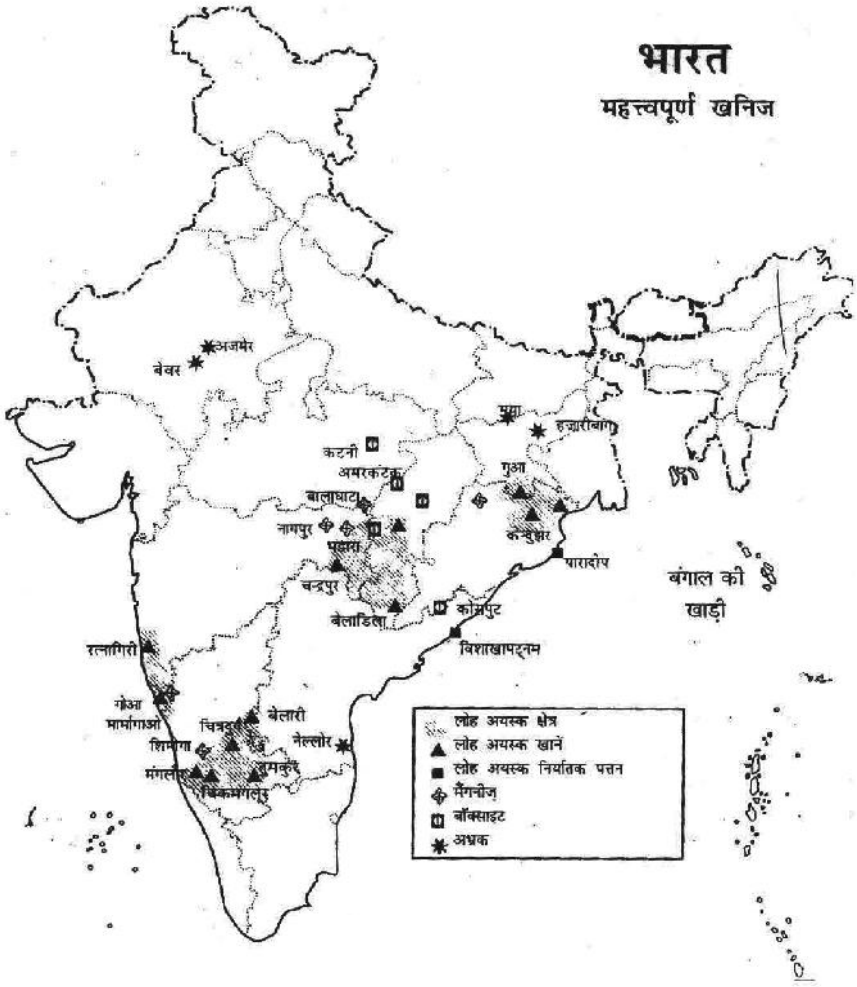

★ इन्हें आने वाली पीढ़ी के लिए सम्भाल कर रखना चाहिए।

संरक्षण के उपाय

★ खनन एवं परिष्करण के दौरान इन पदार्थो की बर्बादी कम हो।

★ जहाँ तक सम्भव हो प्लास्टिक और लकड़ी का प्रयोग करें।

★ रद्दी एवं पुराने माल का पुनः प्रयोग करना चाहिए।

इतिहास कक्षा 10वीं

अध्याय - 6

विनिर्माण उद्योग

याद रखने योग्य बातें :-

1. **विनिर्माण** - मशीनों द्वारा बड़ी मात्रा में कच्चे माल से अधिक मूल्यवान वस्तुओं के उत्पादन को विनिर्माण कहते है।
2. **उद्योग** - विनिर्माण का विस्तृत रूप उद्योग कहलाता है।
3. **आधारभूत उद्योग** - ऐसे उद्योग जो दूसरे उद्योगों के लिए अपने तैयार माल को कच्चे माल के रूप में आपूर्ति करते हैं, जैसे लोहा और इस्पात उद्योग।
4. **कृषि आधारित उद्योग** - कृषि उत्पादों को औद्योगिक उत्पाद में बदलने वाले उद्योग।
5. **कुटीर उद्योग** - छोटी मशीनों की सहायता से परिवार के द्वारा अपने घर में चलाये जाने वाले उद्योग को कुटीर उद्योग कहते हैं। जैसे - खादी, हस्तकला आदि।
6. **लघु उद्योग** - वे उद्योग जिन्हें अल्प पूँजी और थोड़े श्रमिकों द्वारा चलाया जाता है।
7. **भारी उद्योग** - वे उद्योग जो भारी और अधिक स्थान घेरने वाले कच्चे माल का प्रयोग करते हैं। जैसे लोहा और इस्पात उद्योग, चीनी उद्योग, सीमेंट उद्योग आदि।
8. **निजी क्षेत्र के उद्योग** - किसी एक व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित लाभप्रद कार्य जैसे डाबर, बजाज आदि।
9. **सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग** - सरकार के स्वामित्व और प्रत्यक्ष नियंत्रण वाले उद्योग। जैसे Sail, Bhel, Gail आदि।
10. **संयुक्त उद्योग** - जो उद्योग राज्य सरकार और निजी क्षेत्र के संयुक्त

प्रयास से चलाये जाते हैं। जैसे Oil ऑयल इंडिया लिमिटेड।

11. **सहकारी उद्योग** – जिनका स्वामित्व कच्चे माल की पूर्ति करने वाले उत्पादकों, श्रमिकों या दोनों के हाथ में होता है। लाभ-हानि का विभाजन भी अनुपातिक होता है। जैसे केरल का नारियल उद्योग और महाराष्ट्र का चीनी उद्योग।

12. **विदेशी विनिमय** – एक देश की मुद्रा को दूसरे देश की मुद्रा में बदलने की प्रक्रिया को विदेशी विनिमय कहते हैं।

13. **विदेशी मुद्रा** – मुद्रा का वह माध्यम जिसके द्वारा सरकार दूसरे देश से वस्तुएँ खरीदती व बेचती है।

14. **खनिज आधारित उद्योग** – जो उद्योग कच्चे माल के रूप में खनिजों का उपयोग करते हैं। जैसे सिलाई मशीन, सीमेंट उद्योग, लोहा एवं इस्पात उद्योग आदि।

15. **औद्योगिक रूग्णता (बीमारी)** : – उद्योगों की हानि या उद्योगों का बंद होना।।

1 अंक वाले प्रश्न

1. विनिर्माण किसे कहते हैं ?
2. कौन सा कारक किसी उद्योग की अवस्थिति में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है ?
3. विनिर्माण उद्योगों का क्या महत्व है ?
4. उद्योगों की स्थापना को प्रभावित करने वाले कारक कौन-कौन से है ?
5. आधारभूत उद्योग किसे कहते हैं ?
6. भारत का कौन सा लोहा इस्पात संयंत्र जर्मन के सहयोग से स्थापित किया गया है ?
7. पहला सफल सूती वस्त्र उद्योग कब व कहाँ लगाया गया था ?
8. कौन सी एजेंसी सार्वजनिक क्षेत्र में स्टील बाजार में उपलब्ध करवाती है।

9. सीमेंट उद्योग की इकाइयाँ गुजरात में क्यों लगाई गई हैं ?
10. पहला सीमेंट उद्योग कब और कहाँ स्थापित किया गया ?
11. भारत की इलैक्ट्रानिक राजधानी का नाम लिखिए।
12. द्वितीयक क्रियाओं का क्या अर्थ है।
13. कौन से उद्योग में चूना पत्थर को कच्चे माल के रूप में प्रयोग किया जाता है।
14. पैराम्बूर किस लिए प्रसिद्ध है ?
15. पटसन का सबसे बड़ा उत्पादक देश कौन सा है ?
16. भिलाई इस्पात कारखाना किस राज्य में है ?
17. वायु प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले उद्योगों के नाम बताइए।
18. ध्वनि प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले उद्योगों के नाम बताइए।

लघु/ दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले तीन भौतिक कारक बताइए।
2. उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले तीन मानवीय कारक बताइए।
3. सार्वजनिक व निजी क्षेत्र के उद्योगों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
4. भारत में अधिकांश जूट मिलें पश्चिम बंगाल में क्यों स्थित हैं ?
5. विनिर्माण उद्योग को भारत के आर्थिक विकास की रीढ़ की हड्डी क्यों माना जाता है ?
6. चीनी उद्योग के सम्मुख कौन-कौन सी चुनौतियाँ हैं ?
7. 'कृषि और उद्योग एक दूसरे से अलग नहीं, बल्कि एक दूसरे के पूरक हैं' स्पष्ट कीजिए।
8. सूती वस्त्र उद्योग के सामने कौन-कौन सी समस्याएँ हैं ?
9. हमारे देश के लिए सीमेंट उद्योग का विकास अति महत्वपूर्ण है, क्यों ?

10. भारत में उदारीकरण एवं प्रत्यक्ष विदेशी निवेश ने किस प्रकार मोटरगाड़ी उद्योग में अत्यधिक वृद्धि की है ? स्पष्ट कीजिए।

11. जूट उद्योग किन चुनौतियों का सामना कर रहा है।

12. उद्योगों द्वारा पर्यावरणीय प्रदूषण को कम करने के लिए उठाए गए विभिन्न उपायों का वर्णन कीजिए।

13. भारत के सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग का आर्थिक विकास में योगदान का वर्णन कीजिए।

उत्तरमाला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. कच्चे माल को मूल्यवान उत्पाद में परिवर्तित कर अधिक मात्रा में वस्तुओं के उत्पादन को विनिर्माण कहते हैं।
2. न्यूनतम उत्पादन लागत।
3. विनिर्माण उद्योगों के विकास तथा स्पर्धा से कृषि उत्पादन और वाणिज्य व्यापार को बढ़ावा मिलता है।
4. कच्चे माल की उपलब्धता, श्रमिक, पूँजी, बाजार, शक्ति के साधन, वित्तीय संस्थाएँ आदि।
5. ऐसे उद्योग जिनके उत्पादन व कच्चे माल पर दूसरे उद्योग निर्भर हैं जैसे लोहा-इस्पात उद्योग, एल्यूमीनियम उद्योग, प्रगलन उद्योग आदि।
6. दुर्गापुर।
7. 1854 में मुंबई में।
8. स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया SAIL
9. गुजरात में इस उद्योग को खाड़ी देशों में निर्यात की सुविधाएँ उपलब्ध हैं।
10. 1904 में चेन्नई में।
11. बंगलौर
12. द्वितीयक क्रियाओं में लगे व्यक्ति कच्चे माल का आकार बदलकर व उसे परिष्कृत वस्तुओं में परिवर्तित करते हैं।

13. सीमेंट उद्योग।

14. रेलगाड़ी व मालगाड़ी के डिब्बे बनाने के लिए।

15. बांग्लादेश।

16. छत्तीसगढ़।

17. प्रगलन उद्योग, रसायन व कागज़ उद्योग, तेलशोधन शालाएँ, ईंटों के भट्टे।

18. जेनरेटर, औद्योगिक व निर्माण कार्य, लकड़ी चीरने के कारखाने, विद्युत ड्रिल।

भारत के मानचित्र पर सूती वस्त्र, ऊनी वस्त्र, रेशमी वस्त्र और कृत्रिम वस्त्र उद्योग के प्रमुख स्थान दर्शाइए।

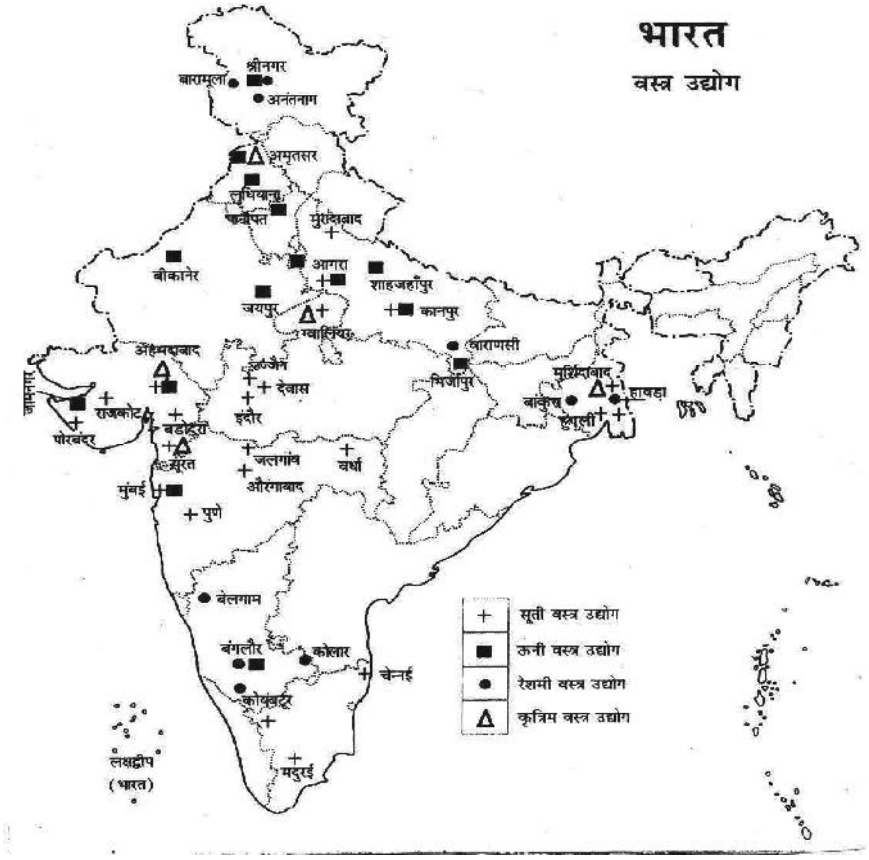

लघु / दीर्घ प्रश्नों के उत्तर (3/5 अंक)

1. ★ कच्चे माल की उपलब्धता
   ★ शक्ति के साधन
   ★ अनुकूल जलवायु
   ★ मानवीय कारक

2. ★ मानवीय कारक
   ★ श्रम
   ★ पूँजी
   ★ बाज़ार
   ★ परिवहन और संचार की सुविधाएँ।

3. सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग :- वे उद्योग जिनका स्वामित्व राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार के किसी संगठन के पास होता है। जैसे भारतीय रेल, जहाज निर्माण उद्योग, भिलाई और दुर्गापुर लोहा-इस्पात के उद्योग आदि। **निजी क्षेत्र के उद्योग** :- वे उद्योग जिनका स्वामित्व कुछ व्यक्तियों अथवा फर्मो या कंपनियों के पास होता है। जैसे ब्रिटानिया उद्योग जो ब्रैड और बिस्कुट बनाता है, दिल्ली में प्योर ड्रिंक्स जैसे कैम्पा कोला, जमशेदपुर में टिस्को।

4. ★ भारत में सबसे अधिक पटसन का उत्पादन पश्चिम बंगाल में होता है।
   ★ इस उद्योग को पानी की अधिक आवश्यकता पड़ती है जो हुगली नदी से पर्याप्त मात्रा में मिल जाता है।
   ★ सस्ते मजदूर भी मिल जाते हैं।
   ★ चीज़ो के निर्यात के लिए कोलकाता की बन्दरगाह है।

5. जिस प्रकार शरीर को आकार रीढ़ की हड्डी से मिलता है उसी प्रकार एक देश की अर्थव्यवस्था के आर्थिक विकास का मुख्य आधार विनिर्माण उद्योग है।

भारत के मानचित्र पर लोहा और इस्पात संयंत्रों को दर्शाइए।

★ कृषि के आधुनिकीकरण में सहायक हैं।

★ द्वितीयक तथा तृतीयक सेवाओं में रोजगार उपलब्ध करवाते हैं।

★ विदेशी मुद्रा प्राप्त होती हैं।

- ★ बेरोजगारी और गरीबी को दूर करने में सहायक है।
- ★ राष्ट्रीय धन में वृद्धि होती है।
- ★ दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

6. ★ यह उद्योग मौसमी प्रकृति का है, छोटी अवधि का होता है।
   - ★ गन्ने का उत्पादन प्रति हैक्टेयर कम है।
   - ★ पुरानी मशीनों का होना।
   - ★ खोई का अधिकतम इस्तेमाल न कर पाना।
   - ★ परिवहन के साधनों के असक्षम होने के कारण गन्ने का समय पर कारखानों में न पहुँचना।

7. कृषि उद्योगों के लिए बड़ी मात्रा में कच्चा माल जैसे कपास, जूट, गन्ना आदि का उत्पादन करती है।
   उद्योग किसानों को खेती के विकास के लिए उर्वरक, कीटनाशक, खरपतवार नाशक, मशीनें आदि उपलब्ध कराता है।
   कृषि उत्पादन में वृद्धि सम्भव हुई है।

   उद्योगों द्वारा कृषि उत्पादों को मण्डी तक पहुँचाना, बेचना काफी आसान हो गया है।

8. ★ पुरानी और परंपरागत तकनीक
   - ★ लंबे रेशे वाली कपास की पैदावार का कम होना।
   - ★ नई मशीनरी का अभाव।
   - ★ कृत्रिम वस्त्र उद्योग से प्रतिस्पर्धा।
   - ★ अनियमित बिजली की आपूर्ति।

9. ★ भवन, फैक्टरियाँ, सड़के, पुल, बाँध, घर आदि का निर्माण करने के लिए आवश्यक है।

★ उत्तम गुणवत्ता वाले सीमेंट का उत्पादन करता है।

★ अफ्रीका के देशों में मांग रहती है।

भारत के मानचित्र पर प्रमुख सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क दर्शाइए।

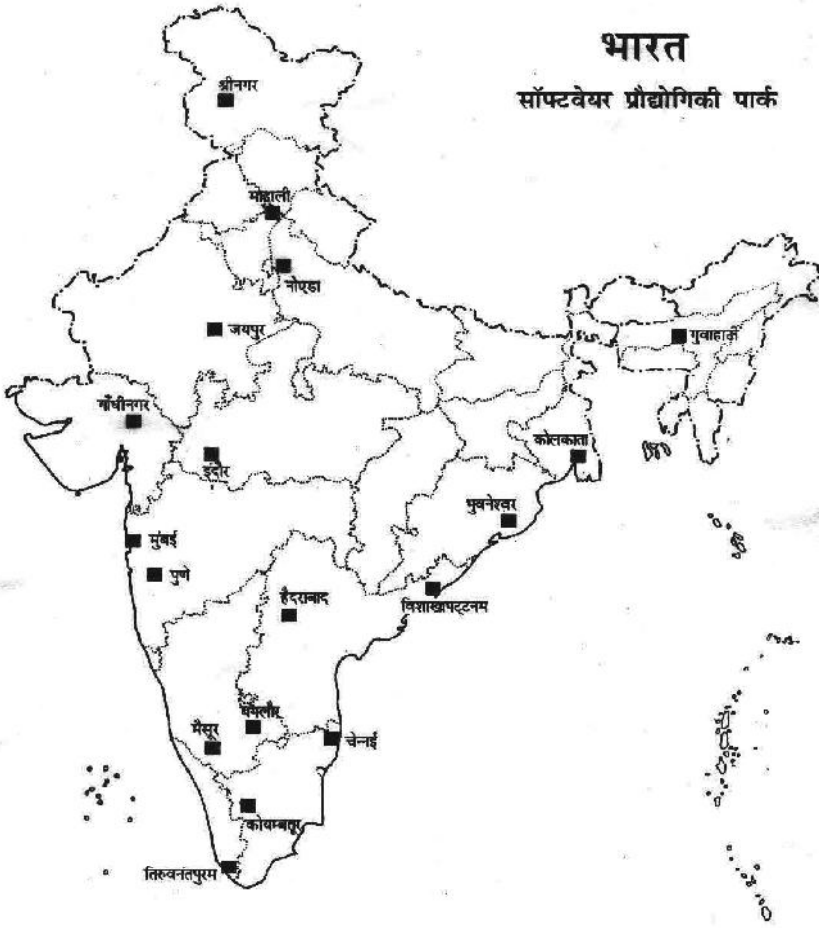

10. ★ उदारीकरण के पश्चात नए और आधुनिक माडल के वाहनों का बाजार बढ़ा है।

- ★ वाहनों की माँग बढ़ी है। कार, स्कूटर, ऑटो रिक्शा में अपार वृद्धि हुई है।
- ★ प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के साथ नई प्रौद्योगिकी के उपयोग से यह उद्योग विश्वस्तरीय विकास के स्तर पर आ गया है।
- ★ आज 15 इकाइयाँ कार, 14 इकाइयाँ स्कूटर, मोटरसाइकिल तथा ऑटोरिक्शा का निर्माण करती हैं।

11.
- ★ कृत्रिम रेशों से चीज़े बनने लगी हैं।
- ★ कृत्रिम रेशे से बनी चीज़े सस्ती होती हैं।
- ★ जूट की खेती पर व्यय बहुत हो जाता है।
- ★ विदेशी स्पर्धा का मुकाबला बाजार में चुनौती के रूप में खड़ा है।
- ★ बांग्लादेश अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में चुनौती के रूप में खड़ा है।

12.
- ★ प्रदूषित जल को नदियों में न बहाया जाये।
- ★ जल को साफ करके प्रवाहित करना चाहिए।
- ★ जल विद्युत का प्रयोग करना चाहिए।
- ★ ऐसी मशीनरी का प्रयोग करना चाहिए जो कम ध्वनि करे।

13.
- ★ रोज़गार उपलब्ध करवाता है।
- ★ विदेशी मुद्रा अर्जित करता है।
- ★ कार्यरत महिलाओं की संख्या में वृद्धि हुई है।
- ★ हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का निरंतर विकास हो रहा है।
- ★ सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क विशेषज्ञों को एकल विंडो सेवा तथा उच्च आंकड़े संचार सुविधा प्रदान करते हैं।

इतिहास कक्षा 10वीं

अध्याय - 7

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

याद रखने योग्य बातें :-

1. **देश की जीवन रेखाएँ** - परिवहन तथा संचार के आधुनिक साधन जो लोगों को एक दूसरे के पास लाते हैं तथा राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में सहायता करते हैं।
2. **परिवहन के साधन** :- परिवहन के साधन जो मनुष्य तथा सामान को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाते हैं। रेल, वायु एवं जल परिवहन।
3. **संचार के साधन** :- वे साधन जो सूचना, समाचार, संवाद को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाते हैं जैसे समाचार पत्र, रेडियो, टीवी टेलिफोन, मोबाइल फोन, ई-मेल आदि।
4. **स्वर्णिम चतुर्भुज** :- 6 लेन वाली सड़कों जो का जाल जो दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकात्ता को जोड़ता है।
5. **राष्ट्रीय राजमार्ग** :- 4 से 6 लेन की सड़कें देश के दूर स्थित भागों को जोड़ती हैं। इनका रखरखाव केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाता है।
6. **सीमांत सड़कें** :- सीमा सड़क संगठन सीमान्त क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण व रख-रखाव करता है।
7. **व्यापार** :- विभिन्न व्यक्तियों, राज्यों तथा विभिन्न देशों के बीच वस्तुओं के आदान-प्रदान को व्यापार कहते हैं।
8. **अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार** - दो या दो से अधिक देशों के बीच वस्तुओं का आदान-प्रदान। देश का 95 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्गों द्वारा होता है।
9. **व्यापार संतुलन** - यदि किसी देश का आयात मूल्य उसके निर्यात मूल्य के बराबर हो।

10. **रेल परिवहन** – यातायात का मुख्य साधन है। भारतीय रेल परिवहन को 16 प्रखंडो में बाँटा गया है।

11. **गेज या पथ** – रेल की दो पटरियों के बीच की दूरी।

12. **पत्तन या बन्दरगाह** – समुद्र तट पर वह स्थान जहाँ जहाज़ पर वस्तओं को लादने तथा उतारने का काम किया जाता है।

13. **ज्वारीय पत्तन** – एक बन्दरगाह जो ज्वार के समय कार्यरत होता है जैसे गुजरात में कांडला।

14. **पर्यटन के नए रूप** – विरासत पर्यटन, सांस्कृतिक पर्यटन, चिकित्सा पर्यटन, पारि-पर्यटन, रोमांचकारी पर्यटन, व्यापारिक पर्यटन आदि। प्रत्येक वर्ष भारत में 26 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक आते हैं।

1 अंक वाले प्रश्न

1. पूर्व-पश्चिम गलियारा किन दो क्षेत्रों को जोड़ता है ?
2. उत्तरी रेलवे का मुख्यालय कहाँ स्थित है ?
3. भारत में पहली रेलगाड़ी कब और कहाँ चलाई गई ?
4. देश का पुराना कृत्रिम पत्तन कौन सा है ?
5. सड़क घनत्व से आप क्या समझते हैं ?
6. राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या-1 किन स्थानों के बीच नौगम्य है ?
7. उत्तर-दक्षिण गलियारा किन दो क्षेत्रों को जोड़ता है ?
8. पाइपलाइन परिवहन से क्या अभिप्राय है ?
9. भारत की तट रेखा की लम्बाई कितनी है ?
10. कौन सा समुद्री पत्तन लौह-अयस्क के निर्यात के सन्दर्भ में प्रमुख पतन है ?
11. स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद पहला विकसित पत्तन कौन सा है ?
12. भारत के दो अंतःस्थलीय जलमार्गो के नाम बताइए ?
13. वायु परिवहन का राष्ट्रीयकारण कब किया गया ?

14. बड़े शहरों में डाक संचार में तीव्रता लाने के लिए कौन-कौन से मुख्य उपाय किये गये हैं ?

15. किस क्षेत्र में विशेष प्रावधान के माध्यम से हवाई यात्रा को आम जनता तक पहुँचाया गया है।

लघु / दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. जनसंचार के साधनों से होने वाले किन्हीं 3 लाभों की चर्चा कीजिए।
2. पाइपलाइन परिवहन के लाभ बताइए ?
3. स्वर्णिम चतुर्भुज महा राजमार्ग की तीन विशेषताएँ लिखिए।
4. तीन रेलवे क्षेत्रों व उनके मुख्यालय के नाम लिखिए।
5. सड़क परिवहन, रेल परिवहन से अधिक महत्वपूर्ण है, क्यों ?
6. वायु परिवहन के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
7. सड़क परिवहन किन-किन समस्याओं से जूझ रहा है ?
8. रेलों के जाल के असमान वितरण के कारण लिखिए ?
9. पर्यटन एक उद्योग या व्यापार के रूप में अर्थव्यवस्था के विकास में किस प्रकार सहायक है ?
10. भारत की सड़कों का उनकी क्षमता के आधार पर वर्गीकरण कीजिए ?
11. अर्न्तराष्ट्रीय व्यापार व स्थानीय व्यापार में अन्तर स्पष्ट कीजिए ?
12. परिवहन तथा संचार के विभिन्न साधनों को किसी वस्तु तथा उसकी अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ क्यों कहा जाता है ?

उत्तरमाला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. सिलचर (असम) - पोरबंदर (गुजरात)
2. दिल्ली

3. 16 अप्रैल, 1853 में मुंबई और थाणे के बीच (34 किमी दूरी)

4. चेन्नई

5. प्रति 100 वर्ग किमी क्षेत्र में सड़कों की लम्बाई को सड़क घनत्व कहा जाता है।

6. इलाहाबाद और हल्दिया के बीच (1620 किमी लंबा)

7. श्रीनगर को कन्याकुमारी से।

8. परिवहन का नया साधन है। पानी को घरों और खेतों में पहुँचाने के साथ-साथ कच्चा तेल, पैट्रोल उत्पाद तथा प्राकृतिक गैस को गैस शोधन शालाओं तक तथा ताप विद्युत घरों तक पहुँचाया जाता है।

9. 7516.6 किमी.

10. मारमागाओ

11. कांडला पत्तन

12. गंगा नदी- इलाहाबाद और हल्दिया के बीच।
ब्रह्मपुत्र नदी - सादिया व धुबरी के बीच।

13. 1953 में

14. 6 डाक मार्ग बनाए गए हैं। राजधानी मार्ग, मेट्रो (मार्ग) चैनल, ग्रीन चैनल, व्यापार चैनल, भारी चैनल, दस्तावेज चैनल।

15. उत्तर-पूर्वी राज्यों में।

लघु / दीर्घ प्रश्नों के उत्तर (3/5 अंक)

1. ★ स्वस्थ मनोरंजन करता है।
   ★ राष्ट्रीय कार्यक्रम और नीतियों के बारे में जागरूक करता है।
   ★ ज्ञानवर्धक है।
   ★ खेल संबंधी कार्यक्रमों को प्रसारित किया जाता है।
   ★ दूरदर्शन राष्ट्रीय समाचार और संदेश का माध्यम है।

2. ★ पाइपलाइन द्वारा शहरों और उद्योगों में पानी पहुँचाने के साथ

गैस, खनिज तेल को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाया जाता है।

- ★ समय की बचत होती है। बीच की चोरी और बर्बादी को रोका जा सकता है।
- ★ पाइपलाइन बिछाने की लागत अधिक है परन्तु इसको चलाने की लागत कम है।
- ★ पाइपलाइन द्वारा परिवहन शीघ्र, सुरक्षित और आसान हो जाता है।
- ★ रेलों पर बढ़ते दबाव को कम किया जा सकता है।

3.
- ★ यह 6 लेन वाला महामार्ग है।
- ★ यह भारत की मेगा सिटीज दिल्ली, मुंबई, चेन्नई व कोलकाता को जोड़ता है।
- ★ यह मेगा सिटीज के बीच की दूरी व समय को कम करता है।
- ★ यह राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) के अधिकार क्षेत्र में है।

4.
- ★ उत्तरी रेलवे क्षेत्र - नई दिल्ली
- ★ पश्चिमी रेलवे क्षेत्र - मुंबई
- ★ दक्षिणी रेलवे क्षेत्र - चेन्नई

5.
- ★ सड़क परिवहन रेल परिवहन से पहले प्रारंभ किया गया।
- ★ निर्माण तथा व्यवस्था सुविधाजनक है।
- ★ हमें घरों तक पहुँचाती है।
- ★ पहाड़ी क्षेत्रों, दुर्गम क्षेत्रों तथा उबड़-खाबड़ स्थानों पर भी आसानी से बनाई जा सकती है।
- ★ अन्य परिवहन साधनों में सड़क परिवहन एक कड़ी के रूप में काम करता है।

भारत के मानचित्र पर स्वर्णिम चतुर्भुज, उत्तर दक्षिण गलियारा और पूर्व –पश्चिम गलियारा दर्शाइए।

6. ★ आरामदायक साधन है।

★ सभी साधनों के मुकाबले सबसे तेज़ है।

★ दुर्गम स्थानों के लिए उपयुक्त है।

★ कम समय में दूसरे स्थान पर पहुँचा देता है।

* बॉर्डर पर सेना के रखरखाव व भोजन सामग्री जल्दी से पहुँच जाते हैं।

7. * लगभग आधी सड़कें कच्ची हैं जो वर्षा ऋतु में काम के योग्य नहीं रहती हैं।
* यातायात व यात्रियों की संख्या के अनुपात में सड़के अपर्याप्त हैं।
* बढ़ते हुए वाहनों के कारण सड़के तंग व भीड़ भरी हैं। इससे सड़कों पर ट्रैफिक जाम हो जाता है।
* राष्ट्रीय राजमार्ग भी पर्याप्त नहीं हैं।

8. * मैदानी भागों में निर्माण व लागत कम और आसान है।
* पर्वतीय भाग में निर्माण कठिन व लागत अधिक होती है।
* मैदानी भाग में जनसंख्या घनत्व अधिक है जिसके कारण रेलों का जाल बिछा है।
* मरूस्थलीय व पठारी भाग में औद्योगिक व कृषि कार्य विकसित न होने के कारण रेलों का घनत्व कम है।
* प्रशासकीय कारणों व सरकारी नीतियों के कारण भी रेलवे का विकास प्रभावित होता है।

9. * पिछले कुछ वर्षों में भारत में पर्यटन उद्योग में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। 23.5 प्रतिशत विदेशी पर्यटक आये।
* 150 लाख से अधिक लोग इस उद्योग में लगे हुए हैं।
* स्थानीय हस्तकला और सांस्कृतिक उद्यमों को विकास के अवसर प्राप्त हुए हैं।
* विदेशी मुद्रा की प्राप्ति।
* राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा।

भारत के मानचित्र पर मुख्य समुद्री पत्तन और हवाई पत्तन दर्शाइए।

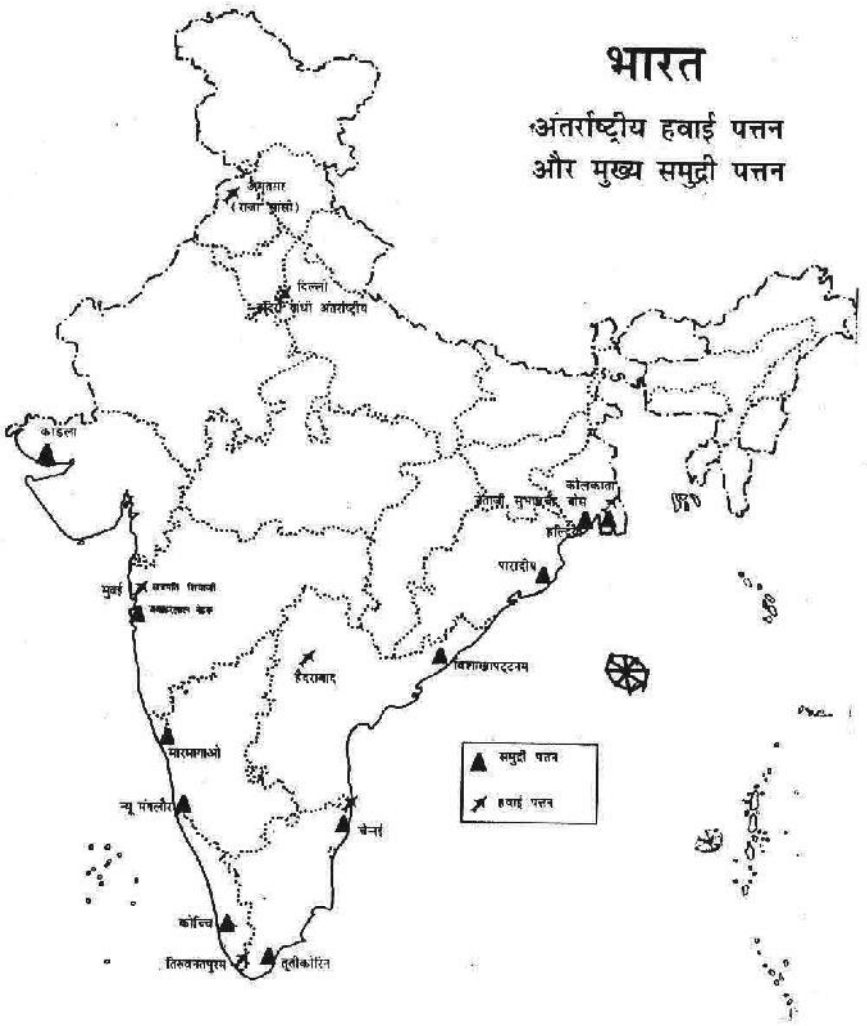

10. ★ स्वर्णिम चतुर्भुज महामार्ग – ये 6 लेन वाला महामार्ग है।

★ राष्ट्रीय राजमार्ग – देश के दूरस्थ भाग को जोड़ते है।

★ राज्य महामार्ग – राज्यों की राजधानियों को जिला मुख्यालय से जोड़ते हैं।

* जिला मार्ग - जिले के प्रशासनिक केन्द्रों को जिला मुख्यालय से जोड़ते हैं।
* सीमान्त सड़के - सीमा सड़क संगठन इनका निर्माण करती है।

11.

अर्न्तराष्ट्रीय व्यापार	स्थानीय व्यापार
दो देशों के बीच होता है।	गाँव, कस्बों या शहरों के बीच होता है।
बड़े पैमान पर।	छोटे पैमाने पर।
विदेशी मुद्रा का आदान-प्रदान होता है।	देश की पूँजी उसी देश में रहती है।
पूरे लोकहित में आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।	क्षेत्र विशेष के लोगों की आवश्यकताओ की पूर्ति करता है।

12.
* परिवहन तथा संचार के विभिन्न साधन एक दूसरे के पूरक हैं।
* देश-विदेश के दूर स्थित इलाकों को एक दूसरे से मिलाते है।
* राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा मिलता है।
* विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होती है।
* जीवन आरामदायक व सुविधापूर्ण हो जाता है।
* सारा देश आपातकाल में एकजुट हो जाता है।

राजनीति विज्ञान कक्षा 10वीं

अध्याय - 5

जन संघर्ष और आंदोलन

याद रखने योग्य बातें :-

1. **दबाव समूह** - लोगों का ऐसा समूह जो सरकार की नीतियों को प्रभावित करता है।
2. **हित समूह** - लोगों का समान हित और लक्ष्य से प्रेरित औपचारिक समूह।
3. **माओवादी** - चीन की क्रांति के नेता माओ की साम्यवादी विचारधारा को मानने वाले साम्यवादी।
4. **संगठन** - किसी विशेष उद्देश्य की प्राप्ति के लिए एकत्रित एवं व्यवस्थित जन समूह।
5. **आंदोलनकारी समूह** - एक ऐसा समूह जो सीमित समय सीमा के भीतर एक लक्ष्य को पाना चाहते है।
6. **बामसेफ** - पिछड़े एवं अल्पसंख्याक समुदाय के कर्मचारियों का परिसंघ।
7. **एस.पी.ए** - सेवन पार्टी अलायंस (नेपाल सप्त दलीय संघटन)

1 अंक वाले प्रश्न

1. सन् 2006 के अप्रैल महीने में नेपाल में एक विलक्षण जन आंदोलन हुआ। इस आंदोलन का क्या उद्देश्य था ?
2. बोलिविया के जल युद्ध का क्या कारण था ?
3. उन समूहों को क्या कहते हैं जो सरकारी नीतियों को प्रभावित करने का प्रयास करने है ?
4. उन संगठनों को क्या कहते है जो अपने हितों को बढ़ावा देने के लिए बने हैं ?

5. 'जन संघर्ष प्रजातंत्र के कामकाज का अभिन्न अंग है'।
'किसी एक 'जन संघर्ष' का उदाहरण दें।
6. जन आंदोलन की एक विशेषता लिखें।
7. जन हितकारी समूहों का उदाहरण दे। (कोई एक)
8. नेपाल के जन संघर्ष आन्दोलन में कौन-कौन से संगठनों ने हिस्सा लिया ?
9. नेपाल में उठे लोकतंत्र के आंदोलन का विशिष्ट उद्देश्य क्या था ?
10. भारत में नर्मदा बचाओ आंदोलन क्यों शुरू किया ?

लघु / दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. वर्ग-विशेषी हित-समूह लोकतंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका कैसे निभाते हैं ?
2. वर्ग हित-समूह और लोक हित-समूह में अंतर बताइए ?
3. दबाव-समूह और राजनैतिक दलों के सम्बन्धों के चार रूप बताइए ?
4. दबाव-समूह और राजनैतिक दल में क्या अंतर है ?
5. दबाव-समूह क्या है ? उदाहरण देकर बताओ।
6. हित समूह के तीन कार्यों का वर्णन कीजिए।
7. नेपाल और बोलिविया के जनसंघर्षों की दो-दो समानताओं और दो असमानताओं को बताइए।
8. दबाव-समूह राजनीति पर किस प्रकार प्रभाव डालते है ?
9. निम्नलिखित को परिभाषित कीजिए :
   क) फेडेकोर
   ख) सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार
   ग) चुनाव याचिका

उत्तरमाला

1 अंक वाले प्रश्न का उत्तर

1. लोकतंत्र कायम करना
2. बोलिविया में पानी के निजीकरण के खिलाफ।

3. दबाव-समूह।
4. हित - समूह।
5. बोलिविया में जल के निजीकरण के विरूद्ध जन-संघर्ष।
6. इसका संगठन कमजोर होता है।
7. बामसेफ
8. मजदूर, शिक्षक, वकील, मानवाधिकार कार्यकर्त्ता आदि संगठन शामिल थे।
9. राजा को अपने आदेशों को वापस लेने के लिए बाध्य करना।
10. नर्मदा नदी पर बनाए जा रहे सरदार सरोवर बाँध के कारण लोग विस्थापित हुए। यह आंदोलन इसी खास मुद्दे को लेकर शुरू हुआ।

लघु / दीर्घ प्रश्नों के उत्तर

1. 1) जब विभिन्न समूह सक्रिय हो तो कोई एक समूह समाज के ऊपर प्रभुत्व कायम नहीं कर सकता।

   2) यदि कोई एक समूह सरकार के ऊपर अपने हितो में नीति बनाने के लिए दबाव डालता है तो दूसरा समूह इसके प्रतिकार में दबाव डालेगा कि नीतियाँ उस तरह से न बनाई जाएँ।

   3) सरकार को भी ऐसे में पता चलता रहता है कि समाज के विभिन्न तबके क्या चाहते हैं।

   4) इसमें परस्पर विरोधी हितों के बीच सामंजस्य बैठाना तथा शक्ति-संतुलन करना संभव होता है।

2.

लोकहित समूह	वर्ग हित समूह
ऐसे दबाव-समूह जो अपने सदस्यों के साथ-साथ साज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा प्रयास करते है। जैसे-बामसेफ (भारत में) फेडोकोर (बोलिविया में)	ऐसे संगठन जो समाज के विशेष वर्गों का जैसे-व्यवसायिक संघ उद्योगपति यूनियन मजदूर संगठन वकील, शिक्षक आदि के हितों को बढ़ावा देते है उन्हे वर्ग हित समूह कहते है।

3.
1) दबाव-समूह बिना दल के ही राजनैतिक सहयोग प्राप्त करते है।
2) भारत में अधिकांश ट्रेड यूनियन और विद्यार्थी संगठन किसी न किसी दल द्वारा स्थापित एवं जुड़े है।
3) कुछ राजनैतिक दलों का जनम दबाव समूह से ही हुआ है। उदाहरण-असम गण परिषद् का निर्माण असम में विदेशियों के विरूद्ध विद्यार्थियों के आंदोलन हुआ है।
4) किसी दबाव समूहों या आंदोलनों से जुड़े होते है।

4.

दबाव समूह	राजनीतिक दल
1) ये सरकार में प्रत्यक्ष भागीदार नहीं होते।	1) ये सरकार में प्रत्यक्ष भागीदार होते है।
2) इनका संगठन ढीला - ढाला।	2) ये पूरी तरह संगठित होते है।
3) इनका प्रभाव सीमित होता है।	3) इनका विस्तार क्षेत्र राष्ट्रीय स्तर पर होता है।
4) इनका लक्ष्य छोटी अवधि वाला होता है।	4) इनका लक्ष्य लम्बी अवधि वाला होता है।
5) उदाहरण - फेडेकोर, बामसेफ।	5) उदाहरण बीजेपी, आप।

5. दबाव समूह लोगों का ऐसा समूह जो सरकार की नीतियों को प्रभावित करके अपने उद्देश्यों की पूर्ति करता है।

उदाहरण - क) किसान संघ - अखिल भारतीय यूनियन

ख) अध्यापक संघ - अखिल भारतीय अध्यापक परिषद्

ग) छात्र संगठन - अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद्

घ) व्यापारी संघ - अखिल भारतीय व्यापारी मण्डल

6. हित समूह के कार्य -

1) जनमत का निर्माण

2) हड़तालों और प्रदर्शनों की व्यवस्था करना।

3) निर्वाचन के समय राजनीतिक दलों का समर्थन।

7. समानताएँ

1) ये दोनों लोकतांत्रिक आंदोलन थे।

2) ये दोनों संघर्ष में सफल रहे।

3) ये दोनों पूरे, विश्व के लोकतंत्रवादियों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

4) ये दोनों राजनीतिक संघर्ष के उदाहरण हैं।

असमानताएँ

1) नेपाल में संघर्ष देश की राजनीति के आधार पर संबंधित था।

2) बोलिविया का संघर्ष किसी विशेष नीति पर संबंधित था।

8. 1) ये अप्रत्यक्ष रूप से उम्मीदवारों की मदद करते हैं।

2) ये सरकार पर दबाव डालने के लिए धरना, प्रदर्शन, हड़ताल, सभा आदि का आयोजन करते हैं।

3) ये अपने कार्यों के लिए जनता का समर्थन और सहानुभूति हासिल करने की कोशिश करते हैं।

4) जन-जन अभियान चलाना, जन सभा का आयोजन करना।

5) दबाव-समूह और आंदोलन अपने संगठन में बड़े नेताओं को जोड़ने का प्रयास करते हैं, जिससे कि उनका प्रभाव बढ़ जाए।

1 अंक वाले प्रश्न संख्या 9 का उत्तर

9. 1) फेडेकोर - फेडेकोर बोलिविया के समस्त हित-समूहों का एक संयुक्त परिसंघ है।

2) सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार- 18 वर्ष या अधिक आयु के सभी नागरिकों को सरकार के निर्वाचन में मत देने का अधिकार।

3) चुनाव याचिका - चुनाव के वक्त गलत तरीकों का प्रयोग करके मतदान को प्रभावित करने पर किसी भी सदस्य द्वारा न्यायालय में चुनाव याचिका प्रस्तुत की जाती है। जिसका न्यायालय परीक्षण करता है।

राजनीति विज्ञान कक्षा 10वीं

अध्याय - 6

राजनीतिक दल

याद रखने योग्य बातें :-

राजनीतिक दल		एजेंडा
1.	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	इस दल ने धर्मनिरपेक्षता और कमजोर वर्गों तथा अल्पसंख्यक समुदायों के हितों को अपना मुख्य एजेंडा बनाया है। यही दल नई आर्थिक नीतियों का समर्थक है।
2.	भारतीय जनता पार्टी	भारत की प्राचीन संस्कृति और मूल्यों से प्रेरणा लेकर मजबूत और आधुनिक भारत बनाने का लक्ष्य। पार्टी जम्मू कश्मीर को क्षेत्रीय और राजनीतिक स्तर पर विशेष दर्जा देने के खिलाफ है। यह देश में रहने वाले सभी धर्म के लोगों के लिए समान नागरिक संहिता बनाने और धर्मांतरण पर रोक लगाने के पक्ष में है।
3.	बहुजन समाज पार्टी	पार्टी साहू महाराज, महात्मा फूले, पेरियार रामास्वामी नायकर और अम्बेडकर के विचारों और शिक्षाओं से प्रेरणा लेती है। दलितों और कमजोर वर्ग के लोगों के कल्याण और उनके हितों की रक्षा के मुद्दों पर सबसे ज्यादा सक्रिय है।

4.	भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी मार्कसवादी	मार्कसवाद – लेनिनवाद में आस्था। समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र की समर्थक तथा साम्राज्यवाद और सांप्रदायिकता विरोधी। यह पार्टी भारत में सामाजिक आर्थिक न्याय का लक्ष्य साधने में लोकतांत्रिक चुनावों को सहायक और उपयोगी मानती है।
5.	भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी	मार्क्सवाद लेनिनवाद, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र में आस्था, अलगाववादी और सांप्रदायिक ताकतों की विरोधी यह पार्टी संसदीय, लोकतंत्र को मजदूर वर्ग, किसानों और गरीबों के हितों को आगे बढ़ाने का एक उपकरण मानती है।
6.	राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी	लोकतंत्र, गांधीवादी, धर्म निरपेक्षता, समता, सामाजिक, न्याय और संघवाद में आस्था। यह पार्टी भारत में जन्मे नागरिकों के लिए आरक्षण करना चाहती है।

2. राजनीतिक दल का अर्थ – एक ऐसा संगठित समूह जो चुनाव लड़ने और सरकार में राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने के उद्देश्य से काम करती है।
3. राजनीतिक दल के तीन प्रमुख हिस्से 1) नेता 2) सक्रिय नेता 3) अनुयायी या समर्थक।
4. अधिकांश लोकतांत्रिक देशों में चुनाव राजनीतिक दलों द्वारा खड़े किए गए उम्मीदवारों के बीच लड़ा जाता है।
5. दल अलग-अलग नीतियों और कार्यक्रमों को मतदाताओं के सामने रखते हैं और मतदाता अपनी पसंद की नीतियाँ और कार्यक्रमों का चुनाव करते हैं।

6. दल देश के कानून निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। संविधान संशोधन में भी इनका योगदान होता है।
7. चुनाव में कम सीटें पाने वाले दल को विपक्षी दल कहते है।
8. भारत में चुनाव आयोग द्वारा पंजीकृत दलों की संख्या 750 से ज्यादा है।
9. कई देशों में केवल एक ही दल को सरकार बनाने और चलाने की अनुमति है। इसे एक दलीय व्यवस्था कहते हैं। उदाहरण- चीन, जहाँ कम्यूनिस्ट पार्टी का शासन है।
10. कुछ देशों में सत्ता दो मुख्य दलों के बीच बदलती रहती है इसे दो दलीय व्यवथा कहते हैं। उदाहरण - संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन।
11. जब अनेक दलों को सत्ता में आने का ठीक-ठाक अवसर हो तो इसे बहुदलीय व्यवस्था कहते हैं - उदाहरण - भारत।
12. शासक दलों के - जिल दल का शासन हो यानि जिसकी सरकार बनती है।
13. दल बदल - विधायिका के लिए किसी दल विशेष से निर्वाचित होने वाले प्रतिनिधि का उस दल को छोड़कर अन्य किसी दल में चले जाना।

1 अंक वाले प्रश्न

1. किसी एक प्रांतीय दल का नाम लिखें।
2. भारतीय जनता पार्टी का मुख्य प्रेरक सिद्धांत क्या है ?
3. किसी देश के लिए कानून निर्माण में निर्णायक भूमिका कौन निभाता है ?

लघु / दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. राजनीतिक दलों के कार्य लिखिए।
2. राष्ट्रीय राजनीतिक दल और प्रांतीय दलों में अंतर स्पष्ट करें।

3. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और भारतीय कम्यूनिस्ट पाटी मार्क्सवादी में अन्तर स्पष्ट करें।
4. विभिन्न प्रकार की दलीय व्यवस्था का उल्लेख करें।
5. वर्तमान में राजनीतिक दलों के समक्ष चुनौतियों की व्याख्या करें।
6. प्रांतीय दल भारत में संघवाद को मजबूत करने में किस प्रकार सहायता करते है।
7. राजनीतिक दलों एवं नेताओं को सुधारने के लिए सरकार द्वारा किये गये प्रयासों का उल्लेख कीजिए।
8. लोकतंत्र की गुणवत्ता जन सहभागिता के स्तर पर निर्भर करती है। क्या आप इस कथन से सहमत है? उत्तर के समर्थन में तर्क दें।

उत्तर माला

1 अंक वाले प्रश्न

1. सिक्किम लोकतांत्रिक मोर्चा या मिजो नेशनल फ्रंट।
2. सांस्कृतिक राष्ट्रवाद या (हिंदुत्व) एक प्रमुख तत्व है।
3. राजनीतिक दल

लघु / दीर्घ प्रश्नों के उत्तर

1. ★ चुनाव लड़ना
   ★ कानून बनाना
   ★ सरकार बनाना व चलाना
   ★ विपक्ष की भूमिका
   ★ जनमत का निर्माण

2. **प्रांतीय राजनीतिक दल** :- जब किसी दल को किसी राज्य विधान सभा चुनाव की कुल मतों का कम से कम 6 प्रतिशत मत प्राप्त होता है

अथवा वह कम से कम दो सीटों पर विजयी होता है तो उसे प्रांतीय राजनीतिक दल कहते हैं।

राष्ट्रीय राजनीतिक दल – जब किसी दल को लोकसभा चुनाव में किन्हीं चार राज्यों की विधान सभा चुनाव में कुल वैध मतों का कम से कम 6 प्रतिशत मत प्राप्त होता है और चार लोकसभा सीटें जीत ले तो उसे राष्ट्रीय राजनीतिक दल कहते है।

3. **भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी :–**

1) इसका गठन 1925 में हुआ

2) इसका जनाधार केरल, पश्चिम बंगाल, पंजाब, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में है।

3) 2004 के चुनाव में इसे 1.4 प्रतिशत वोट और लोकसभा की 10 सीटें हासिल हुई।

भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी :–

1) इसका गठन 1964 में हुआ।

2) पश्चिम बंगाल, केरल, त्रिपुरा में मजबूत आधार है।

3) 2004 के चुनाव में इसने करीब 6 फीसदी वोट और लोकसभा की 43 सीटें हासिल की।

4. 1) **एक दलीय प्रणाली** – देश में केवल एक दल को ही सरकार बनाने की अनुमति होती है। जैसे–चीन।

2) **दो दलीय प्रणाली** – देश में दो दलों को मान्यता प्राप्त होती है। जैसे ब्रिटेन तथा अमेरिका।

3) **बहुदलीय प्रणाली** – देश में दो से अधिक दलों की व्यवस्था होती है। जैसे – भारत और फ्रांस।

5. 1) आंतरिक लोकतंत्र का अभाव।
   2) वंशवादी उत्तराधिकार।
   3) धन एवं बल का प्रयोग।
   4) सार्थक विकल्प का अभाव।

6. राष्ट्रीय दल प्रांतीय दलों के साथ गठबंधन करने को मजबूर हुए हैं। 1996 के बाद से लगभग प्रत्येक प्रांतीय दल को एक या दूसरी राष्ट्रीय स्तर की गठबंधन सरकार का हिस्सा बनने का अवसर मिला है। इससे हमारे देश में संघवाद और लोकतंत्र मज़बूत हुए हैं।

7. 1) दल परिवर्तन पर नियन्त्रण (दल-बदल विरोधी कानून द्वारा)
   2) दल बदल करने पर अपनी सीट खोनी पड़ती है।
   3) सम्पत्ति की घोषणा करना।
   4) आपराधिक मामले से सम्बन्धित शपथ-पत्र दायर करना अनिवार्य तौर पर।
   5) आयकर का रिटर्न भरना भी जरूरी बना दिया है।

8. हाँ, क्योंकि -
   1) लोकतंत्र का उद्देश्य जनता का जनता के द्वारा शासन है।
   2) लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लिये बिना राजनीतिक दलों में सुधार लाना कठिन।
   3) सामान्य जनता की भागीदारी आवश्यक।
   4) उपयुक्त उम्मीदवार का चयन।

राजनीति विज्ञान कक्षा 10वीं

अध्याय - 7

लोकतंत्र के परिणाम

याद रखने योग्य बातें :-

1. आज विश्व के 100 देश किसी ना किसी तरह की लोकतांत्रिक व्यवस्था चलाने का दावा करते हैं। इनका औपचारिक संविधान है। इनके यहां चुनाव होते हैं और राजनीतिक दल भी हैं। साथ ही वे अपने नागरिकों को कुछ बुनियादी अधिकारों की गारंटी भी देते है।
2. लोकतंत्र में इस बात की पक्की व्यवस्था होती है कि फैसले कुछ कायदे कानूनों के अनुसार ही होते हैं।
3. कोई नागरिक यह जानना चाहे कि फैसले लेने में नियमों का पालन हुआ है या नहीं तो वह इसका पता लगा सकता है। उसे न सिर्फ यह जानने का अधिकार है बल्कि उसके पास इसके साधन भी उपलब्ध हैं, इसे पारदर्शिता कहते हैं।
4. लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था निश्चित रूप से अन्य शासनों से बेहतर है। यह वैध शासन व्यवस्था है। लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था लोगों की अपनी शासन व्यवस्था है। इसी कारण सम्पूर्ण विश्व में लोकतंत्र के विचार के प्रति जबरदस्त समर्थन का भाव है।
5. लोकतांत्रिक व्यवस्था राजनीतिक समानता पर आधारित होती है। प्रतिनिधियों के चुनाव में हर व्यक्ति का स्तर बराबर होता है।
6. तानाशाही का समर्थन करने वाली राजनैतिक विचारधारा को निरंकुशतावाद कहते हैं।
7. लिंग भेद, जातिभेद और साम्प्रदायिक प्रवृत्ति सामाजिक असमानता के रूप हैं।

8. कानून के शासन से आशय है कि एक देश के संविधान के प्रति अटूट निष्ठा के साथ शासन करना।

1 अंक वाले प्रश्न

1. लोकतंत्र की परिभाषा लिखो।
2. तानाशाही का समर्थन करने वाली विचारधारा को क्या कहते है ?
3. लोकतंत्र अच्छा है क्योंकि ?
4. किस प्रकार की सरकार सबसे बेहत्तर मानी जाती है ?
5. 'नागरिक स्वतंत्रता' क्या है ?
6. सामाजिक असमानता का कोई एक रूप लिखिए।
7. बहुमत के शासन का क्या अर्थ है ?
8. कुछ लोगों का अथवा एक दल का शासन क्या कहलाता है ?

लघु / दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. लोकतंत्र की विशेषताएँ लिखिए ?
2. लोकतांत्रिक व्यवस्था को तानाशाही से बेहतर क्यों माना जाता है ?
3. लोकतंत्र के सामाजिक परिणाम लिखिए ?
4. लोकतंत्र किस प्रकार एक वैध सरकार को जन्म देता है ?
5. लोकतंत्र किस प्रकार नागरिकों को शांतिपूर्ण और सद्भावनापूर्ण जीवन देता है ?
6. लोकतंत्र नागरिकों की गरिमा को कैसे बनाये रखता है ?
7. शिकायतें किस प्रकार लोकतंत्र को सफल बनाने में सहयोग देती हैं ?
8. लोकतंत्र के सिद्धान्तों को जीवन के सभी क्षेत्रों में कैसे लागू किया जा सकता है ?
9. तानाशाही सरकार की तुलना में लोकतांत्रिक सरकार की कमियाँ बताएँ।

उत्तर माला

1 अंक वाले प्रश्न

1. जनता का शासन, जनता के लिये व जनता के द्वारा
2. निरंकुशतावाद
3. यह नागरिकों को समानता का अधिकार देता है।
4. लोकतांत्रिक सरकार।
5. छः प्रकार के स्वतन्त्रताओं में से कोई एक।
6. लिंग भेद या जातिभेद
7. बहुमत का निर्णय होना।
8. तानाशाही।

लघु/ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर

1. ★ नागरिकों में समानता को बढ़ावा देता है।
   ★ व्यक्ति की गरिमा को बढ़ाता है।
   ★ इससे फैसलों में बेहतरी आती है।
   ★ इसमें गलतियों को सुधारने का अवसर होता है।

2. ★ लोकतंत्र में स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव होते हैं।
   ★ लोकतंत्र में नीति तथा निर्णयों पर खुली बहस होती है।
   ★ लोकतंत्र में वैध सरकार होती है।
   ★ लोकतंत्र में नागरिकों की स्थिति बेहत्तर होती है।

3. ★ लोकतांत्रिक व्यवस्था सद्भावनापूर्ण जीवन उपलब्ध कराती है।
   ★ इसमें सामाजिक टकरावों की संभावना कम रहती है।
   ★ व्यक्ति की गरिमा और स्वतंत्रता लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार है।

* लोकतंत्र में समाज के कमजोर वर्गों को समानता का दर्जा देने पर बल दिया जाता है।

4. 1) लोकतान्त्रिक सरकार एक जवाबदेह सरकार है।
   2) नागरिकों को निर्णय निर्माण प्रक्रिया की जाँच करने के अधिकार और साधन प्राप्त होते हैं।
   3) लोकतंत्र एक जिम्मेदार सरकार है। यह नागरिकों के विचारों और उम्मीदों का ध्यान रखती है।
   4) लोकतांत्रिक सरकार एक वैध सरकार है क्योंकि यह जनता द्वारा चुनी जाती है।

5. 1) प्रत्येक नागरिक को मत देने और चुनाव लड़ने का अधिकार है।
   2) यह नागरिकों को सामाजिक समानता उपलब्ध कराता है।
   3) लोकतंत्र टकरावों तथा आपसी मतभेद को समाप्त करने में मदद करता है।
   4) लोकतंत्र में बहुमत को सदा अल्पमत के साथ काम करने की जरूरत होती है ताकि सरकार सभी की इच्छाओं का प्रतिनिधित्व कर सके।

6. 1) लोकतंत्र सम्मान एवं स्वतंत्रता की भावना को जन्म देता है।
   2) लोकतंत्र में सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार किया जाता है।
   3) लोकतंत्र ने महिलाओं को पुरूषों के समान दर्जा प्रदान किया है।
   4) लोकतंत्र में जाति आधारित असमानताओं एवं क्रूरताओं का कोई नैतिक एवं कानूनी आधार नहीं है।

7. 1) बहुत समय से स्त्रियों को समान अधिकार, न्याय और स्वतंत्रता

से वंचित रखा गया था। मगर 'लोकतंत्र ने सभी अधिकार सुनिश्चित कर दिये।

2) समाज के कमजोर वर्गों के लिए विशेष प्रावधान करना।

3) उचित प्रतिनिधित्व देने से विभिन्न जातीय समूहों के बीच टकराव कम हुआ है। मतभेदों को दूर करने के लिए लोकतंत्र संवैधानिक तरीका उपलब्ध कराता है।

8. 1) किसी लोकतांत्रिक फैसले में उन सभी लोगों से राय- विचार करने तथा सहमति प्राप्त करने की प्रक्रिया शामिल है जो इस फैसले से प्रभावित होने वाले हैं।

2) सभी व्यक्तियों को निर्णय निर्माण प्रक्रिया में भाग लेने का समान अधिकार है।

3) किसी भी धनी या शक्तिशाली लोगों को विशेष अधिकार प्राप्त नहीं है।

9. 1) तानाशाही की तुलना में लोकतंत्र में निर्णय लेने में कुछ अधिक समय लगता है क्योंकि तानाशाही में औपचारिकता नहीं होती।

2) तानाशाही सरकार की तुलना में लोकतांत्रिक सरकार ज्यादा खर्चीली है क्योंकि यहाँ निश्चित अवधि के बाद चुनाव होते है।

3) तानाशाही में उच्च स्तर पर भ्रष्टाचार हो सकता है परंतु लोकतंत्र में हर स्तर पर भ्रष्टाचार हो सकता है।

राजनीति विज्ञान कक्षा 10वीं

अध्याय - 8

लोकतंत्र की चुनौतियाँ

मुख्य बातें :-

1. **चुनौती** - वह मुश्किल है जो लोकतंत्र में आती रहती है और उसे दूर किय जा सकता है।
2. **बुनियादी आधार की चुनौती** - इस चुनौती में मौजूदा गैर-लोकतांत्रिक सरकार को गिराने, सत्ता पर सेना के नियंत्रण को समाप्त करने और एक सम्प्रभु तथा कारगर शासन व्यवस्था को स्थापित करने की चुनौती है।
3. **विस्तार की चुनौती** - इस चुनौती में लोकतांत्रिक, शासन के बुनियादी सिद्धांतो को सभी छात्रों, सभी सामाजिक समूहों और विभिन्न संस्थाओं में लागू करना शामिल हैं
4. **लोकतंत्र को मजबूत करने की चुनौती** - इस चुनौती में लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रथाओं को मजबूत करना शामिल है।
5. **लोकतंत्र** - एक ऐसी शासन व्यवस्था जहाँ सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है।

1 अंक वाले प्रश्न

1. किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं को क्या कहते है ?
2. प्रत्येक लोकतंत्र के समक्ष किसकी मुख्य चुनौती होती है ?
3. लोगों को राजनीतिक सुधार लागू करने में सशक्त बनाने वाला कौन सा कानून श्रेष्ठत्तम है।
4. राजनीतिक सुधार किसे कहते है ?

लघु/ दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. लोकतंत्र की चुनौतियों पर हम कैसे विजय प्राप्त कर सकते है ? समझाएँ।
2. लोकतंत्र की चुनौतियाँ कौन-कौन सी है ?
3. लोकतंत्र को कैसे मजबूत किया जा सकता है ?
4. अच्छे लोकतंत्र की विशेषताएँ लिखिए ?
5. शिकायतों को लोकतंत्र की सफलता का प्रमाण किस प्रकार माना जाता है ? तीन तथ्यों की सहायता से स्पष्ट करें।
6. सबसे बढ़िया कानून कौन से है ? भारत से उदाहरण दे कर स्पष्ट करें।

उत्तरमाला

1 अंक वाले प्रश्न

1. लोकतंत्र की चुनौतियाँ
2. विस्तार की चुनौती
3. सूचना का अधिकार, 2005
4. लोकतंत्र की विभिन्न चुनौतियों के बारे में सभी सुझाव या प्रस्ताव 'लोकतांत्रिक सुधार या राजनीतिक सुधार कहे जाते हैं।

लघु / दीर्घ प्रश्नों के उत्तर

1. ★ सैद्धान्तिक रूप से सुधार मुख्यतः राजनीतिक दलों के द्वारा ही लाये जाने चाहिए।
   ★ जनादेश के अनुसार समुचित संवैधानिक आधार अपनाया जाना चाहिए।
   ★ पंजायती राज व्यवस्था के द्वारा प्रशासन में लोगों की भागीदारी बढ़ाने का प्रयास।
   ★ सामाजिक जरूरतों के अनुसार नियमों में समय-समय पर बदलाव।

2. 1) बुनियादी चुनौती – जहाँ लोकतंत्र नहीं है वहाँ इसे स्थापित करना।

2) विस्तार की चुनौती – सभी क्षेत्रों में लोकतांत्रिक मूल्यों को लागू करना।

3) लोकतंत्र को मजबूत करने की चुनौती – लोकतंत्र में जनता तथा संस्थाओं को सशक्त करना।

3. 1) लोकतांत्रिक संस्थाओं और उनकी कार्य पद्धतियों को मजबूत बनाना।

2) लोगों द्वारा लोकतंत्र से जुड़ी अपनी उम्मीदों को पूरा करना।

3) लोगों की भागीदारी में वृद्धि।

4) सरकारी फैसलों में पारदर्शिता।

4. — धर्म नस्ल, जाति और लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं

— एक निश्चित कार्यकाल के बाद चुनाव सम्पन्न।

— एक से अधिक दल।

— स्वतंत्र और निष्पक्ष न्यायपालिका।

5. 1) शिकायत के द्वारा सरकार की निर्णय लेने की प्रक्रिया अच्छी हो जाती है।

2) इससे विचारों को व्यक्त रहने की स्वतंत्रता सशक्त होती है और लोकतंत्र में सुधार होते हैं।

3) शिकायतों द्वारा नागरिक सजग है, इससे ज्ञात होता है।

6. सबसे बढ़िया कानून वे हैं जो लोगों को लोकतांत्रिक सुधार करने की ताकत देते हैं। सूचना का अधिकार कानून लागों को जानकार बनाने और लोकतंत्र के रखवाले के तौर पर सक्रिय करने का अच्छा उदाहरण है। यह भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाता है।

अर्थशास्त्र कक्षा 10वीं

अध्याय - 3

मुद्रा व साख

याद रखने योग्य बातें :-

1. वस्तुओं के बदले वस्तुओं का लेन-देन वस्तु विनिमय प्रणाली कहलाता है।
2. मुद्रा के आविष्कार से वस्तु विनिमय प्रणाली की सबसे बड़ी कठिनाई ''आवश्यकताओं का दोहरा संयोग'' का समाधान संभव हुआ।
3. जब एक व्यक्ति जो बेचने की इच्छा रखता हो, वही वस्तु दूसरा व्यक्ति खरीदने की भी इच्छा रखता हो अर्थात् मुद्रा का उपयोग किये बिना, वस्तु विनिमय हो तो उसे आवश्यकताओं का दोहरा संयोग कहा जाता है।
4. कागजी मुद्रा, कागज़ के उपयोग से बने विभिन्न प्रकार के अंकित मूल्य के नोटों से है।
5. सोना, चाँदी, निकल, ताँबा आदि किसी भी धातु के उपयोग से बनी मुद्रा को धात्विक मुद्रा कहते हैं।
6. विनिमय प्रक्रिया में मध्यस्थता का कार्य करने के कारण, मुद्रा को विनिमय का माध्यम कहा जाता है।
7. मुद्रा विनियम के माध्यम के रूप में तभी मान्य होती है जब उस देश की सरकार उसे इस कार्य के लिए प्राधिकृत करती है व कानूनी मान्यता प्रदान करती है।
8. भारत में रिर्जव बैंक ऑफ इंडिया केन्द्रीय सरकार की ओर से विभिन्न मूल्यों के करेंसी नोट जारी करता है।
9. उधार देने या निवेश करने के ध्येय से जनता से माँगने पर या चैक आदि के माध्यम से राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय जमाएँ स्वीकार करने को बैंकिंग कहते हैं।
10. बैंक, सहकारी समितियाँ आदि ऋण के औपचारिक स्रोत हैं।

11. अनौपचारिक ऋण में साहूकार, दोस्त, रिश्तेदारों आदि से लिया गया ऋण आता है।

12. समर्थक ऋणाधार - ऐसी सम्पत्ति है, जिसका मालिक कर्ज़दार है और वह इस सम्पत्ति का उपयोग उधारदाता को गारन्टी प्रदान करने के लिए करता है।

13. समर्थक ऋणाधार के उदाहरण - कृषि भूमि, इमारतें, गाड़ी, पशु, मकान, ज़ेवर, बैंको में जमा माँग आदि हितों की रक्षा के लिए, अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए आत्मनिर्भर होते है।

15. बांग्लादेश का ग्रामीण बैंक स्वयं सहायता समूह का एक सफल उदाहरण।

16. ग्रामीण बैंक के संस्थापक व 2006 में नोबल पुरूस्कार विजेता मोहम्मद युनूस। उचित शर्तों के साथ ऋण उपलब्ध करवाया जाए तो, लाखों छोटे लोग अपनी लाखों छोटी बड़ी गतिविधियों के जरिये विकास का बड़ा चमत्कार कर सकते हैं।

1 अंक वाले संभावित प्रश्न

1. मुद्रा के आविष्कार से 'वस्तु विनिमय प्रणाली' की किस कठिनाई का समाधान हुआ ?
2. मुद्रा को विनिमय का माध्यम क्यों कहा जाता हैं ?
3. बैंक अपने पास कितना नकद कोष रखते हैं ?
4. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विनिमय के लिए कौन सी करेंसी का प्रयोग किया जाता है ?
5. विनिमय के रूप में कोई मुद्रा कब मान्य होती हैं ?
6. अनौपचारिक ऋण किन स्रोतों से प्राप्त कर सकते हैं ?
7. बांग्लादेश का ग्रामीण बैंक किसका उदाहरण है ?
8. अनौपचारिक स्रोतों से प्राप्त ऋण अधिक महँगा क्यों होता है ?
9. आत्मनिर्भर समूहों में बचत व ऋण संबंधित निर्णय कौन लेता है ?

10. सिक्कों के प्रयोग से पहले, कौन सी वस्तु मुद्रा के रूप में प्रयोग की जाती थी ?

3/5 अंक वाले संभावित प्रश्न

1. रिर्जव बैंक ऑफ इंडिया, क्या-क्या कार्य करता है ?
2. समर्थक ऋणाधार क्या हैं ? उदाहरण सहित बताओ।
3. साख के औपचारिक व अनौपचारिक क्षेत्र की विशेषताएँ बताइये।
4. क्या कारण है कि कुछ व्यक्तियों या समूहों को बैंक कर्ज देने को तैयार नहीं होते ?
5. वस्तु विनिमय प्रणाली की कोई तीन सीमाएँ बताइये ?
6. क्या सलीम व स्वप्ना दोनों के लिए ऋण एक सी परिस्थिति उत्पन्न करता है ? व्याख्या करें।
7. कर्ज-जाल कब उत्पन्न होता है ? उदाहरण देकर बताइए।
8. ऋण की शर्तें किसे कहा जाता है ? यह किस प्रकार भिन्न हो सकती है ?
9. गरीबों के लिए स्वयं सहायता समूह संगठनों के पीछे मूल विचार क्या है ?
10. भारत में औपचारिक ऋण क्षेत्रक को विस्तृत करना क्यों आवश्यक है ?

उत्तर माला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. ''आवश्यकताओं के दोहरे संयोग'' की।
2. क्योकि यह विनिमय प्रक्रिया में मध्यस्थता का कार्य करती है।
3. कुल राशि का 15 प्रतिशत।
4. डॉलर का
5. जब उस देश की सरकार उसे इस कार्य के लिए प्राधिकृत करती है।
6. महाजन, दोस्त, रिश्तेदारों आदि से।
7. स्वयं सहायता समूह का।

8. ऋण प्राप्तकर्ता की आय का अधिक हिस्सा ब्याज चुकाने में चला जाता है ?

9. समूह के सदस्य।

10. अनाज

3/5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. — सरकार की ओर से मुद्रा जारी करता हैं।
   — बैंको व समितियों की कार्य प्रणाली पर नज़र रखता है।
   — ब्याज की दरों व ऋण की शर्तों पर निगरानी रखता है।
   — बैंक कितना नकद शेष अपने पास रखे हैं इसकी सूचना रखता है।
   — ऋण किस प्रकार वितरित किये जा रहे हैं इस पर नज़र रखता है।

2. उधार दाता, उधार प्राप्तकर्ता से समर्थक ऋणाधार के रूप में ऐसी परिस्थितियों की माँग करता है जिन्हें बेचकर वह अपनी ऋण राशि की वसूली कर सके। ये परिसम्पत्तियाँ ही समर्थक ऋणाधार कहलाती हैं। उदाहरण :- कृषि भूमि, जेवर, मकान, पशुधन, बैंक जमा आदि।

3.

साख के औपचारित क्षेत्र	अनौपचारिक क्षेत्र
1) बैंक, सहकारी समितियाँ	महाजन, साहूकार, रिश्तेदार
2) पूर्व निश्चित ब्याज दर	अनिश्चित व अधिक ब्याज दर
3) उधार लेने वाले का शोषण नहीं	उधार लेने वाले का शोषण होता है।
4) ऋण वापसी के लिए अनावश्यक दबाब नहीं।	कर्ज-जाल में फंसने की संभावना।

4. 1) ग्रामीण क्षेत्रों मैं बैंको की अनुपस्थिति।
   2) समर्थक ऋणाधार न होना।

3) जरूरी कागजात न होना।

4) ऋण की शर्ते पूरी न कर पाना।

5. 1) वस्तु विनिमय के लिए दोहरे संयोग की शर्त का पूरा होना आवश्यक।

2) धन या मूल्य के संचयन में कठिनाई।

3) अविभाज्य वस्तुओं का विनिमय कठिन।

4) वस्तुओं को भविष्य में प्रयोग के लिए संग्रहित करना (लम्बे समय तक) कठिन।

5) सेवाओं का मूल्य निर्धारण व विनिमय से कठिनाई।

6. 1) सलीम के लिए ऋण ने सकारात्मक भूमिका निभाई।

2) उसने लाभ भी कमाया व ऋण भी चुकाया।

3) स्वप्ना के लिए ऋण की नकारात्मक भूमिका थी।

4) वह ऋण चुकाने व लाभ कमाने में असमर्थ थी।

5) वह ऋण-जाल में फंस गई, उसे जमीन बेचनी पड़ी।

7. — जब कर्जदार अपना पिछला ऋण चुकाने में असमर्थ होता है।

— पुराने कर्ज़ को चुकाने के लिए नया कर्ज ले लेता है।

— उसे ऋण अदायगी के लिए अपनी परिसम्पत्ति बेचनी पड़ जाती है।

— उसकी आर्थिक स्थिति बद से बदतर हो जाती है।

8. ब्याज दर, समर्थक ऋणाधार, आवश्यक कागजात और भुगतान के तरीकों को सम्मिलित रूप से ''ऋण की शर्ते कहा जाता है। ऋण की शर्ते विभिन्न व्यक्तियों या समूहों के लिए अलग अलग हो सकती है।

9. 1) गरीबों को संगठित रूप में कार्य के लिए प्रेरित करना।
   2) स्वरोज़गार के लिए प्रेरित करना।
   3) शोषण से बचाना।
   4) कर्ज़दारों को कर्ज़-जाल से बचाना।
   5) महिलाओं को स्वावलंबी बनाना व रोज़गार के अधिक अवसर उपलब्ध करवाना।

10. 1) अनौपचारिक स्रोतों से ऋण प्राप्ति आसान होती है परन्तु शोषण अधिक होता है।
   2) ब्याज की दरे अनिश्चित व उच्च होती है।
   3) गरीब, अशिक्षित लोग आसानी से ऋण जाल में फंस जाते हैं।
   4) ग्रामीण क्षेत्रों में साहूकारों पर निर्भरता कम करने के लिए।
   5) छोटे कर्ज़दारों को आसानी से ऋण उपलब्ध करवाने के लिए।

अर्थशास्त्र कक्षा 10वीं

अध्याय - 4

वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

याद रखने योग्य बातें :-

1. बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ- वह कंपनी जो एक से अधिक देशों में उत्पादन पर नियंत्रण रखती है।
2. वैश्वीकरण अपने देश की अर्थव्यवस्था को संसार के अन्य देशों की अर्थव्यवस्था के साथ सामंजस्य स्थापित करना।
3. उदारीकरण सरकार द्वारा अवरोधो और प्रतिबंधो को हटाने की प्रक्रिया को उदारीकरण कहा जाता है।
4. निवेश-परिसंपत्तियों जैसे-भूमि, भवन, मशीन और अन्य उपकरणों की खरीद में व्यय की गई मुद्रा को निवेश कहते हैं।
5. विदेशी निवेश बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा किए गए निवेश को विदेशी निवेश कहते है।
6. मुक्त व्यापार - जब दो देशों के बीच व्यापार बिना किसी प्रतिबंध के होता है उसे मुक्त व्यापार कहते है।
7. निजीकरण - सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को चरणबद्ध तरीके से निजी क्षेत्र में बेचना।
8. डब्लू.टी.ओ. विश्व व्यापार संगठन।
9. विश्व बैंक - अपने सदस्य राष्ट्रों को वित्तीय सहायता देने वाली अन्तर्राष्ट्रीय संस्था।
10. चालू खाता - एक वित्त वर्ष में वस्तुओं तथा सेवाओं के व्यापार के साथ ही भुगतानों का स्थानांतरण।
11. पूंजी खाता - स्टॉक, बांड, भूमि तथा बैंक जमा राशियों की खरीद और बिक्री का अभिलेख।

12. निर्यात कोटा - एक देश द्वारा निर्यात की जाने वाली वस्तुओं की निर्धारित मात्रा।

13. लचीलापन - कानून में सरकार द्वारा ढील जो उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए दी जाती है उसे लचीलापन कहते हैं।

14. सेज (SEZ) विशेष आर्थिक क्षेत्र (Special Economic Zone)

1 अंक वाले प्रश्न

1. एक कंपनी जो एक से अधिक देशो में उत्पादन पर नियंत्रण अथवा स्वामित्व रखती है, क्या कहलाती है ?
2. भूमि, भवन, मशीन और अन्य उपकरणों की खरीद में व्यय की गई मुद्रा को क्या कहते हैं ?
3. वैश्वीकरण क्या है ?
4. व्यापार अवरोधक का एक उदाहरण दीजिए ?
5. भारत में नई आर्थिक नीति कब लागू की गई ?
6. भारतीय अर्थव्यवस्था कैसी अर्थ व्यवस्था है ?
7. विदेशी व्यापार किनके बीच होता है ?
8. किसी भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी का उदाहरण दीजिए ?
9. अमरीकी कंपनी फोर्ड मोटर्स भारत कब आई ?
10. किस क्षेत्र को वैश्वीकरण से सब से कम लाभ हुआ है ?
11. बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ विदेशों में निवेश क्यों करती हैं ?
12. वैश्वीकरण के द्वारा लोगों को आपस में जोड़ने का क्या परिणाम होगा ?

लघु/दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ किस प्रकार उत्पादन पर नियंत्रण रखती है ?
2. किन कारणों से भारत में आर्थिक सुधार की आवश्यकता पड़ी ?

3. वैश्वीकरण की प्रक्रिया को प्रोत्साहित करने में प्रौद्योगिकी की भूमिका समझाएँ।
4. वैश्वीकरण के कारण प्रतिस्पर्धा के कुप्रभावों का उल्लेख करो ?
5. वैश्वीकरण को न्यायसंगत बनाने के लिए सरकार की भूमिका को स्पष्ट कीजिए ?
6. वैश्वीकरण का लोगों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा है ?
7. भारत सरकार ने स्वतंत्रता के पश्चात विदेश व्यापार और विदेशी विनिमय पर अवरोधक क्यों लगाए ?
8. उदारीकरण तथा वैश्वीकरण की नीति अपनाने के फलस्वरूप भारत में कौन-कौन से मुख्य परिवर्तन आए हैं ?
9. विश्व व्यापार संगठन क्या है ? इसके क्या कार्य है ? क्या यह वास्तव में अपने कार्यो को पूरा कर रहा है ?
10. विदेशी व्यापार और विदेशी निवेश में अंतर स्पष्ट करें।
11. विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए क्या कदम उठाए गए है ?

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. बहुराष्ट्रीय कंपनी
2. निवेश
3. विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया ही वैश्वीकरण है।
4. आयात पर कर
5. 1991 में
6. मिश्रित
7. दो या दो से अधिक देशों के बीच
8. टाटा मोटर्स (मोटर गाड़ियाँ)
9. 1995 में
10. कृषि क्षेत्रक

11. अधिक लाभ के लिए

12. उत्पादकों में पहले से अधिक प्रतियोगिता।

लघु / दीर्घ प्रश्नों के उत्तर

1. उत्पादन पर नियंत्रण करने की विधियाँ
   1) संयुक्त उपक्रम विधि
   2) स्थानीय कम्पनियों को खरीदना।
   3) छोटे उत्पादकों से माल खरीदना।
   4) अपने ब्रांड का इस्तेमाल करके।

2. 1) राजकोषीय घाटे में वृद्धि
   2) प्रतिकूल भुगतान संतुलन में वृद्धि
   3) खाड़ी संकट
   4) विदेशी विनिमय के भंडार में कमी
   5) कीमतों में वृद्धि
   6) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का कार्य संतोषजनक न होना।

3. 1) परिवहन तकनीक में कई सुधारों ने दूर-दूर स्थानों पर कम लागत पर वस्तुओं को भेजना संभव बनाया है।
   2) सूचना प्रोद्यौगिकी में सुधार से विभिन्न देश आपस में जुड़कर तुरंत सूचना प्राप्त कर लेते हैं।
   3) इंटरनेट टैक्नालोजी से व्यापार में गति आई है।

4. कुप्रभाव
   1) प्रतिस्पर्धा के कारण छोटे उद्योगों जैसे बैटरी, प्लास्टिक, खिलौने, टायरों आदि के उत्पादकों पर बुरा प्रभाव पड़ा। फलस्वरूप काफी इकाईयाँ बंद हो गई।

2) श्रमिकों की बेरोज़गारी में वृद्धि।

3) श्रमिकों को अस्थाई आधार पर नियुक्त किया गया।

4) श्रमिकों को संरक्षण और लाभ नहीं मिल रहा।

5) श्रमिकों का अधिक घंटो तक काम करना आम बात हो गई।

5. सरकार की भूमिका –

1) वैश्वीकरण की नई नीति के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्व अर्थव्यवस्था से जोड़ने का प्रयत्न किया गया ताकि पूँजी, तकनीकी ज्ञान और अनुभव का विश्व के विभिन्न देशों से आदान-प्रदान हो सके।

2) सरकार ने माल के आयात पर से अनेक प्रतिबन्ध हटा दिए।

3) आयातित माल पर कर कम कर दिए।

4) विदेशी निवेशकों को भारत में निवेश के लिए प्रोत्साहन दिया गया।

5) तकनीकी क्षेत्र को हर ढंग से उन्नत करने का प्रयत्न किया गया।

6. 1) उपभोक्ताओं के सामने पहले से अधिक विकल्प हैं।

2) उपभोक्तओं को कम कीमत पर गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध हो रहे हैं।

3) लोग पहले की तुलना में आज उच्चतर जीवन स्तर का मजा ले रहे है।

4) उद्योगों और सेवाओं में नये रोज़गार उत्पन्न हुए हैं।

5) उद्योगों को कच्चे माल इत्यादि की आपूर्ति करने वाली स्थानीय कंपनियाँ समृद्ध हुई हैं।

7. 1) विदेशी प्रतिस्पर्धा से देश के उत्पादकों की रक्षा करना।

2) स्वतंत्रता से पहले अंग्रेजो ने भारतीय उद्योग धन्धों को चौपट कर

दिया था। स्वतंत्रता के बाद यहाँ भारतीय उद्योग स्थापित किए गए। उद्योगों के विकास के लिए विदेशी व्यापार पर रोक आवश्यक थी।

3) स्वतंत्रता के बाद भारत 562 टुकड़ों में बंटा हुआ था। यहाँ परिवहन तथा संचार के साधन अस्त व्यस्त थे।

4) स्वतंत्रता के शुरूआती वर्षों में भारत के वैदेशिक संबंध इतने सुदृढ़ नहीं बन पाए थे कि विश्व के अन्य देशों के साथ व्यापार विकसित हो सके।

8. 1) उदारीकरण तथा वैश्वीकरण की नीति अपनाने के फलस्वरूप निजी निवेश बढ़ने का अधिक अवसर मिला।

2) विदेशी विनिमय कोष (भंडार) बढ़ गया।

3) आई टी उद्योग का विस्तार हुआ।

4) सरकारी राजस्व में वृद्धि।

9. 1) विश्व व्यापार संगठन (डब्लू टी ओ) एक ऐसा संगठनहै जिसका उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को उदार बनाना और मुक्त व्यापार की सुविधा देना है।

2) कार्य : विश्व व्यापार संगठन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से संबंधित नियमों को निर्धारित करता है और यह देखता है कि इन नियमों का पालन हो रहा है अथवा नहीं।

3) वास्तविकता – विकसित देशों ने अनुचित ढंग से व्यापार अवरोध को बरकरार रखा है। दूसरी और विश्व व्यापार संगठन के नियमों ने विकासशील देशों के व्यापार अवरोधों को हटाने के लिए विवश किया है।

10. 1)★ **विदेशी व्यापार** :- विदेशों से वस्तुओं को खरीदने और बेचने को विदेशी व्यापार कहते है।

★ **विदेशी निवेश** :- अधिक लाभ कमाने के उद्देश्य से जब बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ मेजबान देश में धन से उत्पादन इकाई की स्थापना करती है, उसे विदेशी निवेश कहते है।

★ इसके अन्तर्गत आयात और निर्यात की दोनों प्रक्रियाएँ शामिल होती हैं।

★ विदेशी निवेश में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा किया गया पूँजी निवेश आता है।

★ यह उत्पादन के लिये अवसर प्रदान करता है।

★ यह पूँजी की कमी को दूर करता है।

11. 1) औद्योगिक क्षेत्रों जिन्हें विशेष आर्थिक क्षेत्र कहा जाता है की स्थापना की जा रही है।

2) विशेष आर्थिक क्षेत्रों में विश्व स्तरीय सुविधाएँ, बिजली, पानी, सड़क, परिवहन, भण्डारण, मनोरंजन और शैक्षिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।

3) विशेष आर्थिक क्षेत्र में उत्पादन इकाइयाँ स्थापित करने वाली कंपनियों को आरंभिक पाँच वर्षों तक कोई कर नहीं देना पड़ता है।

4) विदेशी निवेश आकर्षित करने हेतु सरकार ने श्रम-कानूनों में लचीलापन लाने की अनुमति दे दी है।

अर्थशास्त्र कक्षा 10वीं

अध्याय - 5

उपभोक्ता अधिकार

याद रखने योग्य बातें :-

1. उपभोक्ता - वह व्यक्ति जो बाजार से चीज़े खरीद कर उनका उपयोग करता है।
2. उत्पादक - वह व्यक्ति जो चीज़ो का निर्माण करता है।
3. उपभोक्ता जागरूकता - उपभोक्ताओं का अपने अधिकारों एवं कर्त्तव्यों के प्रति सचेत।
4. उपभोक्ता अधिकार - इसमें उपभोक्ता हित से जुड़े प्रसंगों और वस्तुओं की जानकारी सम्मिलित है।
5. कोपरा - उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम 1986।
6. एफ ए ओ खाद्य एवं कृषि संगठन।
7. डब्लू एच ओ - विश्व स्वास्थ्य संगठन
8. आई एस ओ - अन्तर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन
9. आई एस आई - भारतीय मानक संस्थान
10. बी एस आई - भारतीय मानक ब्यूरो
11. पी डी एस - सार्वजनिक वितरण प्रणाली
12. एन सी सी - राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग
13. रैल्फ नाडर - उपभोक्ता आन्दोलन का जन्मदाता।
14. मानकीकरण - उत्पादों की गुणवत्ता, आकार तथा बनावट निश्चित करने की प्रक्रिया।
15. राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस - 24 दिसम्बर
16. विश्व उपभोक्ता दिवस - 15 मार्च

1 अंक वाले प्रश्न

1. संयुक्त राष्ट्र ने उपभोक्ता सुरक्षा के लिए दिशा-निर्देशों को कब अपनाया ?
2. उपभोक्ता आंदोलन का प्रारंभ क्यों हुआ ?
3. उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम कानून कब बना ?
4. एम. आर. पी का क्या अर्थ है ?
5. उपभोक्ता कल्याण संगठन के विश्व स्तरीय संस्थान को क्या कहते हैं ?
6. भारत में राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस कब मनाया जाता है ?
7. बिजली के सामान पर कौन से शब्द चिन्ह् देखे जा सकते हैं ?
8. राज्य स्तरीय अदालतों में कितनी राशि तक के मुकदमों की सुनवाई होती है ?
9. उपभोक्ता आंदोलन का उदय व्यवस्थित रूप में कब हुआ ?
10. उपभोक्ता निवारण प्रक्रिया से संबंधित कोई समस्या बताइए ?
11. कोपरा का अर्थ क्या है ?
12. एगमार्क क्या है ?
13. उत्पादक के घटकों की विस्तृत जानकारी किसके द्वारा सुनिश्चित की जाती है ?
14. हॉल मार्क का चिन्ह् किस पर लगाया जाता है ?
15. जिला स्तर की अदालतों में कितनी राशि तक के मुकदमों की सुनवाई होती है ?

लघु / दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. पाँच तरीके बताइए जिनमें उपभोक्ताओं का दुकानदारों द्वारा वस्तु खरीदते समय शोषण किया जाता है ?
2. कोपरा का पूरा नाम बताओ। यह उपभोक्ताओं की कैसे मदद करता है ?
3. उपभोक्ता के कर्त्तव्य लिखो।
4. उपभोक्ता के अधिकार बताओ।

5. भारत सरकार ने उपभोक्ताओं की सुरक्षा के हित में क्या कदम उठाये है, बताओ।
6. मान लीजिए आपको कैमिस्ट से कुछ दवाइयों को खरीदने के लिए कहा जाता है। आप दवाईयाँ खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखेंगे ?
7. उपभोक्ता संरक्षण परिषद् और उपभोक्ता अदालत में क्या अंतर है ?
8. आर टी आई – सूचना का अधिकार से क्या अर्थ है ?
9. उपभोक्ताओं के शोषण के लिए उत्तरदायी कारकों की व्याख्या कीजिए ?
10. न्याय पाने के लिए उपभोक्ता को कहाँ जाना चाहिए ?

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. 1985 में
2. उपभोक्ताओं के असंतोष के कारण
3. 1986 में
4. अधिकतम खुदरा मूल्य
5. उपभोक्ता इंटरनेशनल
6. 24 दिसंबर
7. आई एस आई शब्द चिन्ह
8. 20 लाख से 1 करोड़ तक
9. 1960 के दशक में
10. जटिल, खर्चीली और समय साध्य
11. उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम
12. खाद्य तेलों की शुद्धता का प्रमाण
13. सूचना पाने का अधिकार
14. आभूषणों पर
15. 20 लाख रूपये तक

लघु / दीर्घ प्रश्नों के उत्तर

1. उपभोक्ता शोषण के तरीके -

   1) घटिया किस्म की वस्तु देना
   2) कम माप करना।
   3) ऊँची कीमत वसूल करना।
   4) नकली वस्तु देना
   5) मिलावटी/ दोषपूर्ण वस्तु देना
   6) जमाखोरी
   7) असत्य या अधूरी सूचना देना।
   8) बुरा व्यवहार

2. 1) कोपरा का पूरा नाम उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम है।
   2) दुकानदारों की मनचाही कीमत वसूलने, घटिया वस्तु देने, कम तोलने, मिलावट को रोकने तथा नकली वस्तुओं से उपभोक्ताओं को बचाने के लिए यह अधिनियम बनाया गया।

3. उपभोक्ता के कर्त्तव्य :-

   1) उपभोक्ता को वस्तु के गुण के बारे में देखना चाहिए ?
   2) उसकी वस्तु के साथ गारंटी कार्ड भी लेना चाहिए ?
   3) रसीद भी लेनी चाहिए ?
   4) वस्तु पर अंकित आई. एस. आई या एगमार्क का चिन्ह भी देखना चाहिए।

4. उपभोक्ता के अधिकार :-

   1) चयन का अधिकार
   2) सूचना का अधिकार
   3) निवारण का अधिकार

4) प्रतिनिधित्व का अधिकार

5) सुरक्षा का अधिकार

6) उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार

5. 1) कानूनी कदम

2) प्रशासनिक कदम

3) तकनीकी कदम

6. 1) दवाई बनाने की तारीख देखेंगे।

2) दवाई पर समाप्त होने वाली तारीख देखेंगे।

3) अधिकत्तम खुदरा मूल्य देखेंगे।

4) समुचित रसीद लेंगे।

7. 1) उपभोक्ता संरक्षण परिषद् :- ये उपभोक्ता का मार्गदर्शन करती है कि कैसे उपभोक्ता अदालत में मुकदमा दर्ज करायें। यह जनता को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करती है।

2) उपभोक्ता अदालत - लोग उपभोक्ता अदालत में न्याय पाने के लिए जाते है। दोषी को दण्ड दिया जाता है।

3) उन पर जुर्माना लगाती है या सज़ा देती है।

8. सन् 2005 के अक्टूबर में भारत सरकार ने एक कानून लागू किया जो आर टी आई या सूचना पाने का अधिकार के नाम से जाना जाता है। जो अपने नागरिकों को सरकारी विभागों के कार्यकलापों की सभी सूचनाएं पाने का अधिकार सुनिश्चित करता है।

9. 1) सीमित सूचना

2) निम्न साक्षरता

3) सीमित पूर्ति

4) सीमित प्रतियोगिता

10. 1) न्याय पाने के लिए उपभोक्ता को उपभोक्ता अदालत जाना चाहिए।

2) कोपरा के अंतर्गत उपभोक्ता विवादों के निपटारे के लिए जिला राज्य और राष्ट्रीय स्तरों पर एक त्रिस्तरीय न्यायिक तंत्र स्थापित किया गया है।

3) जिला स्तर का न्यायालय 20 लाख तक के दावों से संबंधित मुकदमों पर विचार करता है।

4) राज्य स्तरीय अदालतें 20 लाख से एक करोड़ तक।

5) राष्ट्रीय स्तर की अदालतें 1 करोड़ से ऊपर की दावेदारी से संबंधित मुकदमों को देखती हैं।

Summative Assessment - II
Social Science
Class - X

Time : 3 Hrs. **M. M 90**

सामान्य निर्देश –

1) इस प्रश्न पत्र में कुल 30 प्रश्न हैं। सभी अनिवार्य हैं।
2) प्रत्येक प्रश्न के सामने उसके अंक लिखे हुए हैं।
3) प्रश्न क्रमांक 1 से 8 तक प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।
4) प्रश्न क्रमांक 9 से 20 तक प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 80 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
5) प्रश्न क्रमांक 21 से 28 तक प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
6) प्रश्न क्रमांश 28 तथा 30 इतिहास तथा भूगोल से मानचित्र सम्बन्धी 3-3 अंक के प्रश्न हैं। मानचित्र पर उत्तर लिखने के बाद मानचित्र को अपनी उत्तर पुस्तिका के अन्दर रखकर बाँध दीजिए।

1. 1920 में मद्रास में चुनावों का बहिष्कार क्यों नहीं किया गया था ? कोई एक कारण लिखिए।
2. अवसादी चट्टानों में खनिज किस प्रकार निर्मित होते हैं ?
3. राजनीतिक सुधारों का क्या अर्थ है ?
4. एक ऐसे देश का नाम लिखिए जहाँ 'एक दलीय प्रणाली' है।
5. लोकतंत्र में वास्तविक शासक कौन होता है ?
6. भारत द्वारा आयात की जाने वाली किन्हीं दो मुख्य वस्तुओं के नाम लिखिए।

7. 'सूचना का अधिकार' को स्पष्ट कीजिए।

8. भारत में करेंसी नोट कौन जारी करता है ?

9. भारत के स्वतंत्रता संग्राम में औद्योगिक श्रमिक वर्ग की भूमिका का आकलन कीजिए।

10. नटेसा शास्त्री द्वारा कौन-सी लोक कथाओं का प्रकाशन किया गया ? उनकी सोच के मुख्य बिन्दु को उजागर कीजिए।

11. नारी की छवि को राष्ट्र का रूपक क्यों बनाया गया ? जर्मेनिया कौन थी ? उसे चित्रात्मक रूप में अंकित किए जाने के तरीके का क्या महत्त्व था ?

अथवा

चूहों की पकड़-धकड़ के बदले पैसे देने की योजना को क्यों बंद कर दिया गया ? स्पष्ट कीजिए।

12. भारत में गैस परिवहन की धमनी कही जाने वाली पाइप लाइन का नाम लिखिए। प्राकृतिक गैस के दो प्रमुख प्रयोक्ताओं का उल्लेख कीजिए।

13. भारत में चीनी उद्योग के समक्ष किन्हीं तीन प्रमुख चुनौतियों को स्पष्ट कीजिए।

14. भारत की सड़कों का उनकी क्षमता के आधार पर वर्गीकरण कीजिए।

15. लोकतांत्रिक व्यवस्था की ओर जाने की दिशा में बुनियादी आधार बनाने की चुनौती की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

16. राजनीतिक दलों के घटकों को स्पष्ट कीजिए।

17. लोकतन्त्र किस प्रकार लोगों में समानता को बढ़ावा देता है ? स्पष्ट कीजिए ?

18. ऋण के लिए समर्थक ऋणाधार के रूप में प्रयोग किए जाने वाले किन्हीं छः मदों का उल्लेख कीजिए।

19. कोई उपभोक्ता आंदोलन किस प्रकार सही अर्थों में सफल तथा प्रभावशाली हो सकता है ?

20. निर्धन व्यक्तियों को सहायता पहुँचाने के रूप में सहायता समूह किस प्रकार एक अच्छा स्रोत है ?

21. खिलाफत आन्दोलन की व्याख्या कीजिए। महात्मा गांधी ने खिलाफत आन्दोलन का समर्थन करना महत्वपूर्ण क्यों समझा ?

22. 'साम्राज्यवाद से जुड़कर राष्ट्रवाद ने यूरोप को 1914 में प्रथम विश्व युद्ध की ओर धकेल दिया।' इस कथन को किन्हीं पाँच तर्कों द्वारा न्यायोचित ठहराइए।

अथवा

''वियतनाम में कुछ धार्मिक आन्दोलन फ्रांसीसियों के हक में थे परन्तु अन्य औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध थे।'' कथन को स्पष्ट कीजिए।

23. भारत में उदारीकरण एवं प्रत्यक्ष विदेशी निवेश ने किस प्रकार मोटरगाड़ी उद्योग में अत्यधिक वृद्धि की है ? स्पष्ट कीजिए।

24. भारत में ऊर्जा के गैर-परम्परागत साधनों का भविष्य उज्ज्वल क्यों है ? कोई पाँच कारण स्पष्ट कीजिए।

25. ''साम्प्रदायिकता भारतीय लोकतंत्र की एक गंभीर समस्या है।'' इस कथन की न्यायसंगत विवेचना कीजिए।

26. भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सी. पी.आई) में क्या अन्तर है ?

27. वैश्वीकरण के किन्हीं पाँच नकारात्मक पहलुओं को स्पष्ट कीजिए।

28. उपभोक्ताओं के लिए उपभोक्ता सुरक्षा क्यों आवश्यक है ? स्पष्ट कीजिए।

29. भारत के दिए हुए राजनीतिक मानचित्र A और B पर दो लक्षण चिन्हित किए गए हैं। नीचे दी गई जानकारी के आधार पर इन लक्षणों को पहचान कर मानचित्र में ही चिन्हित रेखाओं पर उनके सही लिखिए –

A वह स्थान जो असहयोग आन्दोलन की वापसी से सम्बन्धित है।

B वह स्थान जहाँ दिसम्बर 1920 में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था।

उसी मानचित्र पर निम्नलिखित को उपयुक्त संकेत द्वारा दर्शाइए एवं उसका नाम लिखिए –

C अहमदाबाद : सूती कपड़ा मिल मजदूरों का सत्याग्रह

नोट :- निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए मानचित्र प्रश्न के स्थान पर हैं -

(29.1) उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ नील किसानों के लिए सत्याग्रह हुआ।

(29.2) दिसम्बर 1920 में कांग्रेस का अधिवेशन कहाँ हुआ था ?

(29.3) उस स्थान का नाम लिखिए जिसका सम्बन्ध असहयोग आन्दोलन को वापस लेने से जुड़ा हुआ है।

30. भारत के दिए हुए राजनीतिक मानचित्र A और B पर दो लक्षण चिन्हित किए गए हैं। नीचे दी गई जानकारी के आधार पर इन लक्षणों को पहचान कर मानचित्र में ही चिन्हित रेखाओं पर उनके सही नाम लिखिए-

A सूती वस्त्र केन्द्र

B आणविक ऊर्जा संयंत्र

उसी मानचित्र पर निम्नलिखित लक्षण को उपयुक्त संकेत द्वारा दर्शाइए एवं उसका नाम लिखिए -

C हल्दिया - एक प्रमुख समुद्री पत्तन

नोट :- निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए मानचित्र प्रश्न के स्थान पर हैं -

(30.1) भारत के चार मेगा सिटी को जोड़ने वाले महा राजमार्ग का नाम लिखिए।

(30.2) उस राज्य का नाम लिखिए जहाँ विशाखापट्टनम सॉफ्टवेयर पार्क अवस्थित है।

(30.2) पानीपत ऊनी वस्त्र केन्द्र किस राज्य में अवस्थित है।

Q. 29. भारत का राजनीति मानचित्र

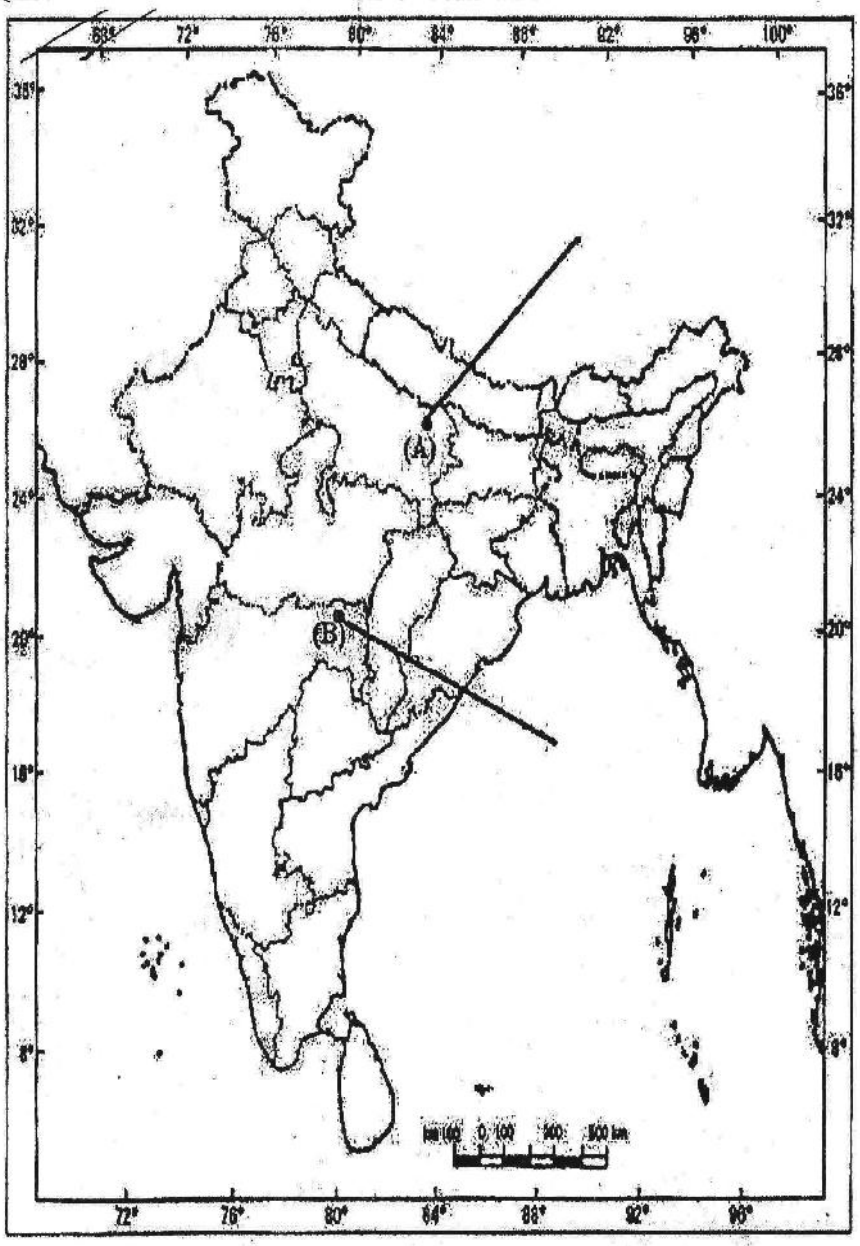

Q. 30. भारत का राजनीति मानचित्र

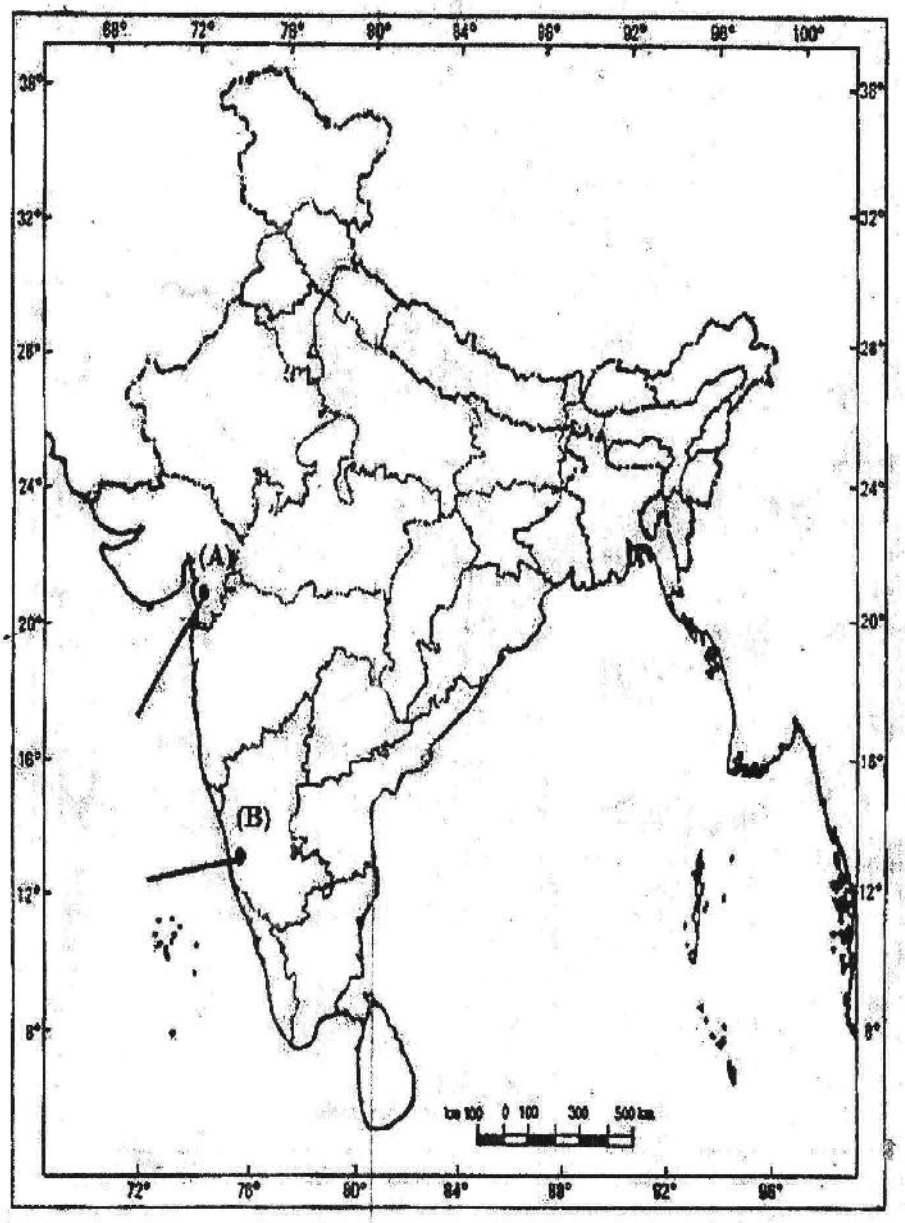

Marking Scheme

Summative Assessment - I (2015-16)
Social Science (Class-X)

General Instructions :

1. The Marking Scheme provides general guidelines to reduce subjectivity and maintain uniformity. The answers given in the marking scheme are the best suggested answers.
2. Marking be done as per the instructions provided in the marking scheme. (It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration).
3. Alternative methods be accepted. Proportional marks be awarded.
4. If a question is attempted twice and the candidate has not crossed any answer, only first attempt be evaluated and 'EXTRA' be written with the second attempt.
5. In case where no answere are given or answers are found wrong in this marking scheme, correct answers may be found and used for evaluation purpose.

1. The Council Elections were boycotted in most provinces except Madras, where the justice party, the party of non-Brahmans, felt that entering the council was one way of gaining some power- something that usually only Brahmans had access to. 1
2. They have been formed as a result of deposition, accumulation and concentration in horizontal states. 1

3. Generally all the suggestions or proposals about overcoming various challenges to democracy are called democratic reform or pulitical reform. 1

4. China 1

5. People 1

6. a) Iron and steel
   b) Crude mineral Oil
   c) Chemicals Any two 1

7. The right to information is an act which ensures citizens of India to get all the informations about the functioning of government departments. 1

8. Reserve Band of India 1

9. i) Industrial worker did take part in the movement especially with Boycott Movement of foreign cloth and other goods.
   ii) Many workers went on strike in railways in 1930 and dock workers in 1932.
   iii) Thousands of worker in Chotanagpur wore Gandhi caps and took part in rallies and boycott campaign.
   3

10. In Madras, Natesa Shastri published a massive four-volume collection of Tamil folk tales, "The folklor of Sourthern India. He believed that folklore was national literature, it was the most trustworthy manifestation of people's real thoughts and characteristics. 3

11. i) Female allegories were invented by artists in the 19th century to represent the nation.

ii) Germania became the allegory of German nation.

iii) In visual representations, Germania wears a crown of oak leaves, as the German oak stands for heroism. 3

OR

Vietnamese, who did this dirty work of entering sewers, found that if they come together they could negotiate a higher bounty. They also discovered innovative ways to profit from this situation. The bounty was paid when a tail was given as a proof that a rat had been killed, Clipping of tails led to the releasing of rats after that and that process could be repeated over and over again. The expenditure of the French became too high and the number of rats also did not reduce, so they decided to scrap the bounty programme.

12. * Hazira - Bijapur - Jagdishpur corss country gas pipeline.

* This artery has provided an impetus to India's gas production. The power and fertilizer industries are the key users of natural gas.

* Use of Compressed Natural Gas (CNG) for vehicles to replace liquid fuels is gaining wide popularity in the country.

(or any other relevant points) 3

13. 1) Seasonal Nature. 3

2) Old and inefficient methods of production.

3) Transport delay in reaching cane to factories.

(To be explained)

14. 1) Golden Quadrilateral Super Highways 3

2) National Highways

3) State Highways

4) District Roads

5) Rural Roads

6) Border Roads

15. Making transition to democracy.

* Non-democratic regime to democratic regime. 3

* Control of government from military to the elected leaders.

* Establishment of sovereign and functional state.

16. Components :- 3

i) Leaders

ii) Active members

iii) Followers (To be explained)

17. In democracy each citizen is given equal rights and freedoms. There is no discrimination on the basis of religion, caste, colour etc. Democracy aism at equitable distribution of income and products among citizens.

18. i) Land 6

ii) Building

iii) Livestock

iv) Demand Deposit

v) Gold

vi) Vehicle

(or any other relevent point)

19. A consumer protection movement can only be successful when consumers realize their role and importance. Consumer movements can be effective only with the consumers active

involvement. It requires a voluntary effort and struggle involving the participation of one and all.

20. * SHGs are the groups formed by poor people. 3

* It gets loan through commercial bank, which it can use to set up some business.

* It also helps the members by lending money in case they need.

(Any other relevent points)

21. i) Turkey had been defeated in war. 5

ii) There was rumours that harsh peace treaty.

iii) The khalifa was religious head

iv) To defend his temporal power a Khilafat Committee was formed for bringing the Muslims together Gandhiji decided to take up the Khilafat issue

22. i) The Balkan region became the scene of big power rivalry. There was intense rivalry among the European powers over trade and colonies as well as naval and military might. These rivalries were evident in the way the Balkan problem unfolded.

ii) Each power-Russia, Germany, England, Austro-Hungary was keen on countering the hold of other powers over the Balkans, and extending its own control over the area. This led to a series of wars in the region and finally the First World War.

iii) Many countries in the world which had been colonised by the European powers in the nineteenth century began

to oppose imperial domination.

iv) The anti-imperial movements that developed everywhere nationalist, in the sense that they all struggled to form independent nation-states and were inspired by a sense of collective national unity, forged in confrontation with imperialism.

v) European ideas of nationalism were nowhere replicated, for peple everywhere developed their own specific variety of nationalism. But the idea that societies should be organised into 'nation states' came to be accepted as natural and universal.

OR

i) One such movement was the Hoa Hao. 5

ii) It began in 1939 and gained great popularity in the fertile Mekong delta area.

iii) It draw on religious ideas popular in anti-French uprising of the 19th Century.

iv) The founder of Hoa Hao was a man called HuynchPhu So.

v) Movements like this always had a contradictory relationship with mainstream nationalism.

23. After liberalisation the coming of new and contemporary models stimulated the demand for vehicles in the market. Foreign Direct Investment brought in new technology and aligned it with global development (To be described).

24. Non Conventional sources of energy are renewable sources of energy. With demand for energy, the non conventional sources of energy namely sun, wind, tides, biomass and energy from waste material have gained influence due to the following facts :

* these are abundantly found
* Renewable
* Pollution free
* Eco-friendly
* Cheaper

(or any other relevant points) (Any five points)

25. * Communalism led to partition of the country in 1947.
* Our major contemporary problems may be traced from there.
* It hampers the security and integrity of India.
* During communal riots govt. property gets affected, which has a serious effect on country's economic resources.

(to be assessed as a whole) 5

26. The communist Party of India (Marxist), usually known as CPI (M), split from the communist Party of India in 1964. It is strongest in the States of Kerala, West Bengal and Tripura. It believes in Marxism- Leminism and communalism. Communist Party of India was formed in 1925, believes in Marxism-Leninism,

secularism and democracy. It is opposed to the forces of communalism and secessionism. It believes that parliamentary democracy helps the interests of farmers, the working class and the poor. 5

27. 1) Small scale industries in pitiable competition 5
2) Widening the inequality in income.
3) No job security because of flexibility in labour law.
4) Creation of SEZ has disrupted the lives of many people like tribal.
5) More unemployment for unskilled labour.
6) Might lead to greater dependence of the underdeveloped countries on developed countries.
(Any 5 points to be explained)

28. Consumers are the general masses, households, government and even producers. Sufferings of the consumers are the sufferings of human beings. As such, it becomes necessary that consumer rights must be protected. This necessity can be supported by the following facts :
i) To save from exploitation.
ii) To protect the right to choose.
iii) To protect the right to be informed.
iv) To seek the redressal.
(To be explained) (To be assessed as a whole)

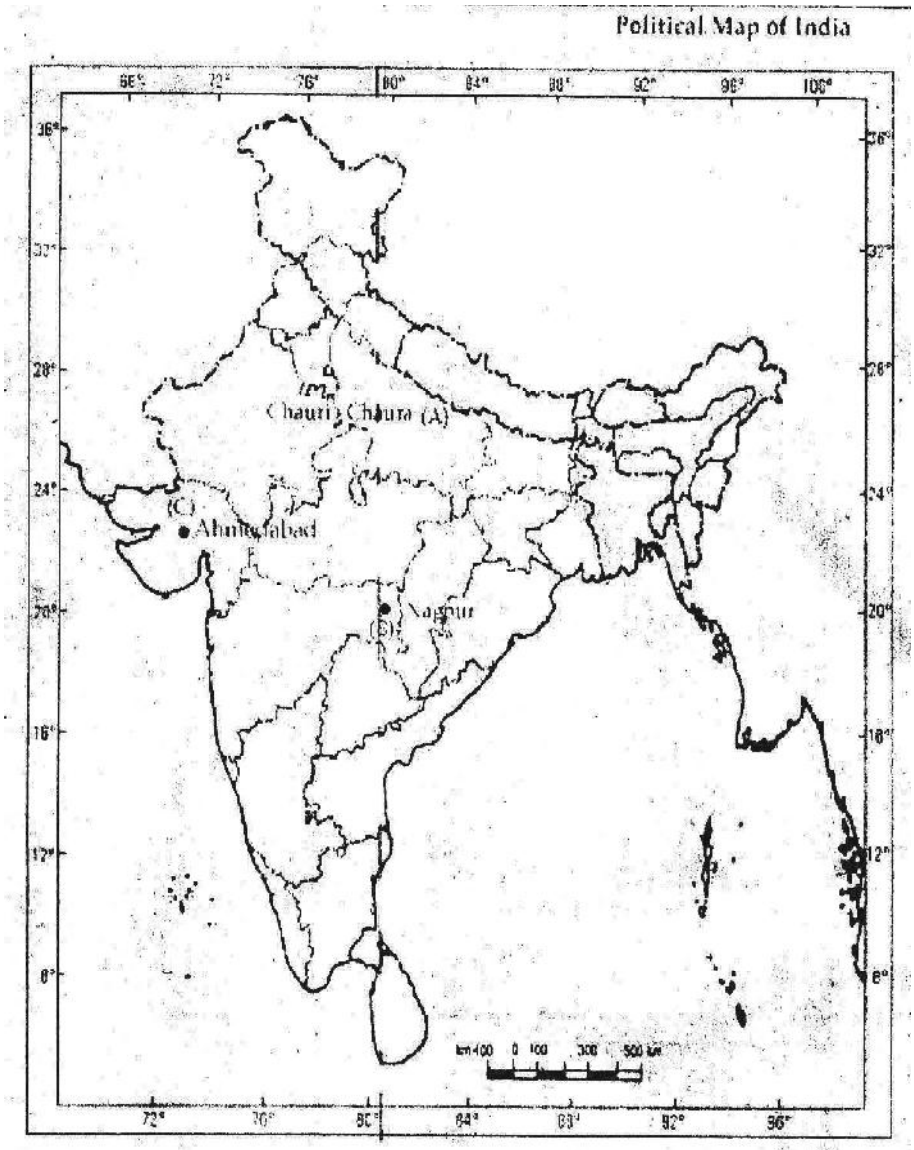

Answer for visually impaired :

(29.1) Champaran

(29.2) Nagpur

(29.3) Chauri-Chaura

Political Map of India

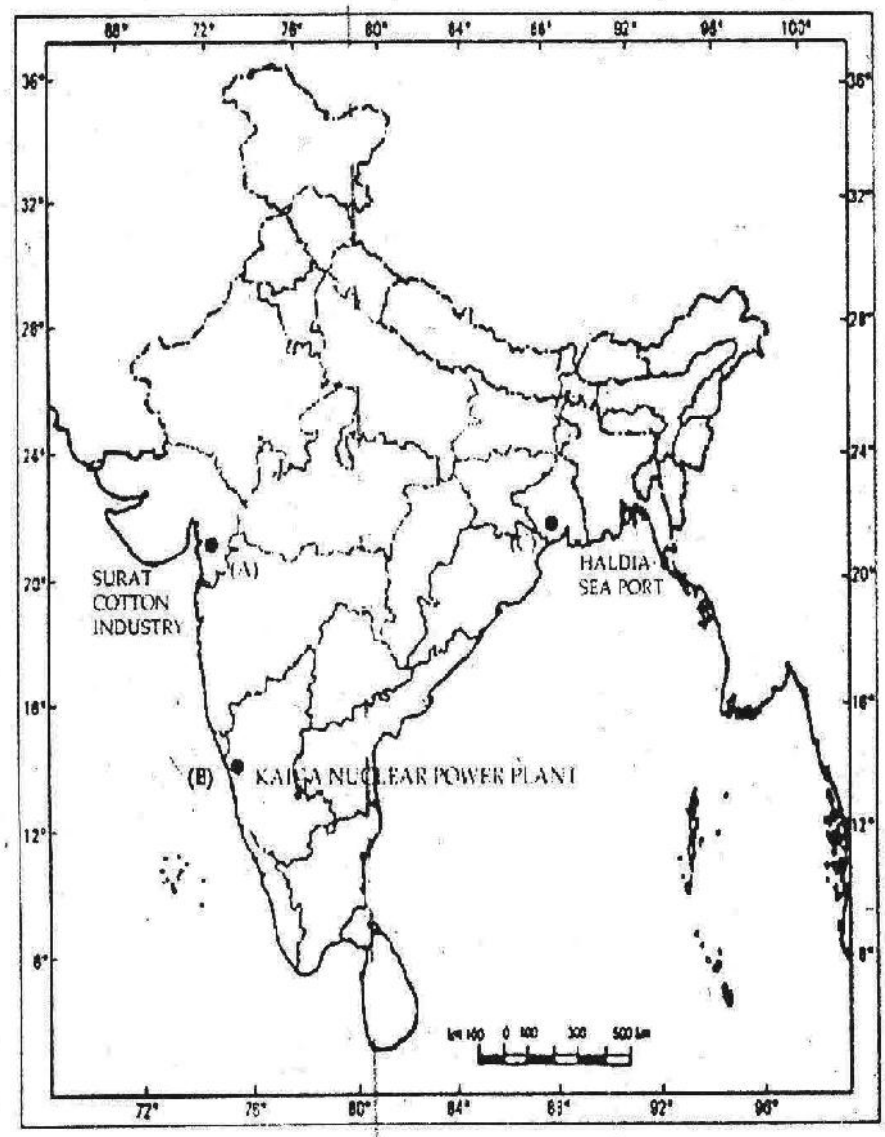

(30.1) Golden Quadrilateral Super Highway
(30.2) Andhra Pradesh/Seemandhra
(30.3) Haryana

मॉडल प्रश्न पत्र

संकलित प्रश्न पत्र - 2

सामाजिक विज्ञान

Time : 3 Hrs. **M. M 90**

ससामान्य निर्देश -

1) इस प्रश्न पत्र में कुल 30 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) प्रत्येक प्रश्न के सामने उसके अंक लिखे हुए हैं।
3) प्रश्न क्रमांक 1 से 8 तक प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।
4) प्रश्न क्रमांक 9 से 20 तक प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 80 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
5) प्रश्न क्रमांक 21 से 28 तक प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
6) प्रश्न क्रमांक 28 तथा 30 इतिहास तथा भूगोल से मानचित्र सम्बन्धी 3-3 अंक के प्रश्न हैं। मानचित्र पर उत्तर लिखने के बाद मानचित्र को अपनी उत्तर पुस्तिका के अन्दर रखकर बाँध दीजिए।

1. असहयोग आंदोलन को समाप्त करने का एक मुख्य कारण क्या था ?
2. भारत के किस राज्य में पवन ऊर्जा की विशालतम पेटी अवस्थित है ?
3. कौन सा उद्योग बॉक्साइट को कच्चे माल के रूप में उपयोग करता है ?
4. प्रो० मुहम्मद यूनूस ने किस बैंक की स्थापना की ?
5. शासक दल क्या होता है ?
6. 1987 में किस राज्य में कित्तिको-हिक्चिको आंदोलन शुरू हुआ था ?
7. एम.आर.पी को स्पष्ट कीजिए ?

8. बैंक नकद का कितने प्रतिशत भाग अपने पास रख सकते हैं ?

9. असहयोग का विचार कब और कहाँ स्वीकार किया गया तथा व्यवहार में कब लाया गया ?

10. 1919 में प्रथम विश्व युद्ध के पश्चात् भारत में आम आदमी के समक्ष अनेक समस्याएँ आई। उनमें से तीन की व्याख्या कीजिए ?

11. वियतनाम में फ्रांसीसी सरकार द्वारा लागू की गई स्कूली किताबों में वर्णित पक्षपात प्रवृति का वर्णन करो ?

अथवा

1815 की वियना संधि के तीन प्रावधानों को स्पष्ट कीजिए ?

12. विनिर्माण उद्योग को आर्थिक विकास की रीढ़ क्यों समझा जाता है ? कारणों की व्याख्या कीजिए ?

13. ज्वारीय ऊर्जा क्या है ? ज्वारीय तरंगों से विद्युत उत्पादन के लिए कौन सा तरीका अपनाया जाता है ? भारत के किस क्षेत्र में ज्वारीय ऊर्जा की दशाएँ उपस्थित हैं ?

14. भारत में सड़कों का लाभ रेलवे की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण है ? वर्णन कीजिए ?

15. भारत में औपचारिक क्षेत्रक के ऋण के दो मुख्य स्त्रोत कौन से हैं ? हमें इन स्त्रोतों के विस्तार की जरूरत क्यों हैं ?

16. सूचना का अधिकार कानून, 2005 पूर्व के कानूनों में एक सुधार कैसे है ?

17. ऋण के लिए समर्थक ऋणाधार क्या है ? समर्थक ऋणाधार के मदों के नाम लिखो ?

18. आप लोकतंत्र की परिभाषा को कैसे विस्तृत करना चाहेगें ? वर्णन कीजिए ?

19. भारत में वंशवाद राजनीतिक दलों के लिए किस प्रकार प्रमुख चुनौती है ? स्पष्ट कीजिए।

20. लोकतंत्र में विरोधी दल की क्या भूमिका होती है ? वर्णन कीजिए ?

21. ''एक सत्याग्रही केवल अहिंसा के सहारे ही सफल हो सकता है''। उदाहरण के साथ इस कथन की व्याख्या कीजिए।

22. वियतनाम के साम्राज्यवाद विरोधी आंदोलन में महिलाओं की भूमिका का मूल्याकंन कीजिए ?

अथवा

इटली के एकीकरण में गैरी बाल्डी की भूमिका क्या थी ?

23. भारत में कृषि के बाद वस्त्र उद्योग का दूसरा सबसे बड़ा स्थान क्यों है ? कारणों की व्याख्या कीजिए ?

24. जनसंघर्ष और आंदोलन किस प्रकार लोकतंत्र को आकार प्रदान करते हैं ?

25. ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूह किस प्रकार गरीबों की मदद कर सकता है ? स्पष्ट कीजिए ?

26. किन्हीं पाँच तरीकों का वर्णन कीजिए जिसमें बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अपने उत्पादन को दूसरे देशों में नियंत्रित करती हैं ?

27. लोकतंत्र को लोग पसंद क्यों करते हैं ? कथन की व्याख्या कीजिए।

29. दिए गए भारत के राजनीतिक रेखा मानचित्र पर ए और बी दो लक्षण चिन्हित दिए हुए हैं। नीचे दी गई जानकारी के आधार पर इन लक्षणों की पहचान कीजिए तथा मानचित्र में चिन्हित रेखाओं पर सही नाम लिखिए।

ए) वह स्थान जहाँ दिसम्बर 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था ?

बी) वह स्थान जहाँ गाँधी जी ने नमक कानून तोड़ा था ?

★ उसी मानचित्र पर निम्नलिखित को उपर्युक्त संकेतों द्वारा दर्शाइए और उनके सही नाम लिखिए –

सी) गुजरात में महात्मा गाँधी द्वारा शुरू दिया गया किसान सत्याग्रह से जुड़ा स्थान।

३०. दिए गए भारत के राजनीतिक रेखा मानचित्र पर ए और बी दो लक्षण चिन्हित दिए हुए हैं नीचे दी गई जानकारी के आधार पर इन लक्षणों की पहचान कीजिए तथा मानचित्र में चिन्हित रेखाओं पर सही नाम लिखिए।

ए) लौह अयस्क खान।

बी) तापीय ऊर्जा संयंत्र

उसी मानचित्र पर निम्नलिखित को उपर्युक्त संकेतो द्वारा दर्शाइए और सही नाम भी लिखिए -

सी) गुजरात में अवस्थित सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क।